मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 158
शनिवार, 20 दिसम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

योग ने दुनिया को दिखाया स्वास्थ्य का मार्गः पीएम मोदी

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयुष क्षेत्र के लिए एक मास्टर डिजिटल पोर्टल, माई आयुष इंटीग्रेटेड सर्विसेज पोर्टल (एमएआईएसपी) सहित कई ऐतिहासिक आयुष पहलों का शुभारंभ किया और आयुष मार्क का अनावरण किया, जिसे आयुष उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता के लिए एक वैश्विक मानक के रूप में परिकल्पित किया गया है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दूसरी पारंपरिक चिकित्सा पर डब्ल्यूएचओ का वैश्विक शिखर सम्मेलन का समापन दिन है। पिछले 3 दिनों में यहां पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़े दुनियाभर के विशेषज्ञों ने गंभीर और सार्थक चर्चा की है। मुझे खुशी है कि भारत इसके लिए एक मजबूत प्लेटफॉर्म का काम कर रहा है और इसमें हल्ड की भी सक्रिय भूमिका रही है।

मोदी ने कहा कि मैं इस सफल आयोजन के लिए हल्ड का, भारत सरकार के आयुष मंत्रालय का और यहां उपस्थित सभी प्रतिभागियों के हृदय से आभार प्रकट करता हूं। उन्होंने कहा कि ये हमारा सौभाग्य है और भारत के लिए गौरव की बात है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन का पारंपरिक चिकित्सा के लिए वैश्विक केंद्र भारत के जामनगर में स्थापित हुआ है। 2022 में पारंपरिक चिकित्सा की पहली समिट में विश्व ने बड़े भरोसे के साथ हमें ये दायित्व सौंपा था। उन्होंने कहा कि इस शिखर सम्मेलन में पारंपरिक चिकित्सा और आधुनिक पद्धतियों का संगम होता है, जिससे नवाचार के लिए एक अनूठा मंच तैयार होता है। कई नई पहलें शुरू की गई हैं जिनमें चिकित्सा विज्ञान और समग्र स्वास्थ्य के भविष्य को बदलने की क्षमता है।

इस समिट में कई अहम विषयों और सहमति बनना हमारी मजबूत साझेदारी का प्रतिबिंब है। अनुसंधान को मजबूत करना, पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में अंकीय

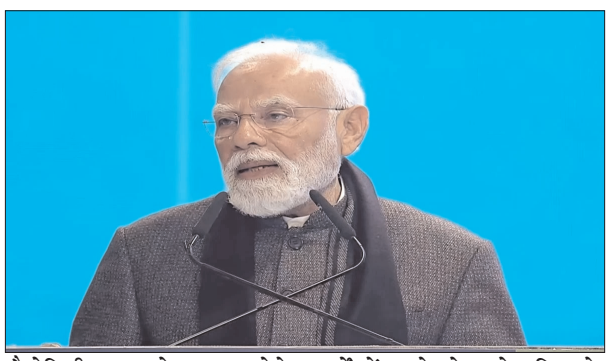

प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ाना, ऐसे विनियामक ढाँचा तैयार करना जिनपर पूरी दुनिया भरोसा कर सके। ऐसे मुद्दे पारंपरिक चिकित्सा को बहुत सशक्त करेंगे। उन्होंने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली का एक अहम हिस्सा योग भी है। योग ने पूरी दुनिया को स्वास्थ्य, संतुलन और सामंजस्य का रास्ता दिखाया है। उन्होंने कहा कि भारत के प्रयासों और 175 से ज्यादा देशों के सहयोग से संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को योग दिवस घोषित किया गया था। बीते वर्षों में हमने योग को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचते देखा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दिल्ली में हल्ड के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन भी किया गया है। ये भारत की तरफ से एक विनम्र उपहार है। ये एक ऐसा ग्लोबल हब है, जहां से अनुसंधान, विनियमन और क्षमता निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद में संतुलन, अर्थात संतुलन को स्वास्थ्य का पर्याय कहा गया है। जिसके शरीर में ये संतुलन बना रहता है, वही स्वस्थ है, वही स्वस्थ है। पुनर्स्थापित करना, संतुलन... आज ये केवल एक ग्लोबल कारण ही नहीं है। बल्कि, ये एक वैश्विक तात्कालिकता भी है। इसे संबोधित करने के लिए हमें और तेज गति से कदम उठाने होंगे।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि जीवन शैली में अचानक से आ रहे इतने बड़े बदलाव, शारीरिक श्रम के बिना संसाधनों और सुविधाओं की सहूलियत.... इससे मानव शरीर के लिए अप्रत्याशित चुनौतियां पैदा होने जा रही हैं।

इसलिए, पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल में हमें केवल वर्तमान की जरूरतों पर ही फोकस नहीं करना है। हमारी साझा उत्तरदायित्व आने वाले भविष्यको लेकर भी है। उन्होंने कहा कि जब पारंपरिक चिकित्सा की बात होती है, तो एक सवाल स्वाभाविक रूप से सामने आता है। ये सवाल सुरक्षा और प्रमाण से जुड़ा है।

कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, अगली सुनवाई में 'मानवता' पर होगा सवाल

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा आवारा कुत्तों के प्रबंधन संबंधी नियमों पर 7 जनवरी को सुनवाई करेगा। याचिकाकताओं ने चिंता जताई है कि आवारा कुत्तों को बिना आश्रय के सड़कों से हटाया जा सकता है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल द्वारा यह उल्लेख किए जाने के बाद यह टिप्पणी की कि तीन न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए निर्धारित यह मामला रद्द कर दिया गया है। सुनवाई की तारीख पहले तय करने की मांग करते हुए सिबल ने कहा, समस्या यह है कि इस बीच एमसीडी ने कुछ ऐसे नियम बना लिए हैं जो पूरी तरह से विरोधाभासी हैं। उन्होंने आगे कहा कि नगर निगम दिसंबर में इन नियमों को लागू कर सकता है। उन्होंने कहा, वे इसे लागू करेंगे और कुत्तों

को हटा देंगे। उनके पास आश्रय नहीं हैं।

मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मानवीयता को लेकर सख्त टिप्पणी की। सुनवाई में जब याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के कुछ नियमों के कारण कुत्तों के साथ अमानवीय व्यवहार हो रहा है, तो अदालत ने कहा कि अगली सुनवाई में एक विडियो चलाया जाएगा और पूछा जाएगा कि मानवता आखिर क्या है।इस मामले की सुनवाई जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच कर रही थी। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने बताया कि गुरुवार को इस प्रकरण की सुनवाई के लिए गठित तीन न्यायाधीशों की विशेष पीठ नहीं बैठी। इस पर जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई 7 जनवरी को होगी। कपिल सिब्बल ने कहा कि इस बीच एमसीडी ने कुछ ऐसे नियम बना दिए है जो वैधानिक प्रावधानों के विपरीत हैं। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण दिसंबर में ही इन नियमों को लागू कर देगा और इसके तहत आवारा कुत्तों को हटाया जाएगा। जब बेंच ने कहा कि वह 7 जनवरी को इन मुद्दों पर विचार करेगी, तो सिब्बल ने आशंका जताई कि तब तक हालात बदल चुके होंगे। इस पर जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि मिस्टर सिब्बल, उन्हें करने दीजिए, हम इस पर विचार करेंगे। इसके बाद सिब्बल ने शुक्रवार को ही मामले की सुनवाई किए जाने का आग्रह किया।

कांकेर में अंतिम संस्कार की रस्मों को लेकर आदिवासी-ईसाई सांप्रदायिक झड़प, 20 से अधिक पुलिसकर्मी घायल

तेवड़ा, 19 दिसम्बर। अमाबेड़ा क्षेत्र के तेवड़ा गांव में ग्राम सरपंच के पिता चामरा राम के अंतिम संस्कार को लेकर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। आदिवासी और ईसाई समुदायों ने संपत्तियों में तोड़फोड़ की और आपस में झड़प की। पुलिस ने व्यवस्था बहाल करने के लिए गांव में कर्फ्यू लगा दिया है। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में तोड़फोड़ और आगजनी का एक मामला सामने आया है। आदिवासी और ईसाई समुदाय सड़कों पर उतर आए और इस तरह अशांत स्थिति उत्पन्न हो गई, जहां दोनों पक्षों ने एक चर्च को जला दिया और एक-दूसरे पर पत्थर फेंके। सूत्रों के अनुसार, लोगों ने चरण राम सलाम के दफन की खबर मिलने के बाद यह कार्रवाई की। आदिवासी समुदाय का मानना था कि अंतिम संस्कार उनके स्थानीय रीति-

रिवाजों के अनुसार नहीं किया गया, क्योंकि शोक संतप्त परिवार ने पहले धर्म परिवर्तन कर लिया था।

16 दिसंबर को उनकी मृत्यु के बाद, परिवार ने गांव में अपनी निजी जमीन पर अंतिम संस्कार किया और शव को दफना दिया। आदिवासी लोगों को संदेह हुआ और उन्होंने शव को कब्र से निकालने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।शिकायतों के बाद, कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने कानूनी प्रावधानों के अनुसार शव को कब्र से निकालने का आदेश दिया, जिसके कारण झड़प हुई। संघर्ष की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत करने का प्रयास कर रही है।

इस घटना में अंतागढ़ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष बंचोर सहित 20 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। पुलिसकर्मियों को प्राथमिक उपचार के बाद आगे के इलाज के लिए चिकित्सा केंद्रों में भेजा गया है। घटना के दौरान संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों के अनुसार, पूरी घटना के लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं और अनुवर्ती कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जहाजों व बंदरगाहों की सुरक्षा के लिए होगा 'ब्यूरो ऑफ पोर्ट सिक्योरिटी' का गठन, अमित शाह ने दिए निर्देश

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जहाजों और बंदरगाह सुविधाओं की सुरक्षा के लिए एक समर्पित निकाय, ब्यूरो ऑफ पोर्ट सिक्योरिटी (बीओपीएस) के गठन हेतु एक बैठक बुलाई है। बैठक के दौरान, शाह ने देश भर में एक मजबूत बंदरगाह सुरक्षा ढांचा स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया और निर्देश दिया कि सुरक्षा उपायों को जोखिम-आधारित और चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाना चाहिए, जिसमें कमजोरियों, व्यापार क्षमता, स्थान और अन्य प्रासंगिक मापदंडों को ध्यान में रखा जाए। इस बैठक में केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री और नागरिक उड्डयन मंत्री उपस्थित थे। गृह मंत्रालय के बयान के अनुसार, नवगठित

व्यापारिक जहाजरानी अधिनियम, 2025 की धारा 13 के प्रावधानों के तहत बोर्ड ऑफ पोर्ट्स को एक वैधानिक निकाय के रूप में गठित किया जाएगा।

बयान में आगे कहा गया है कि महानिदेशक की अध्यक्षता वाला यह ब्यूरो बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्रालय के तत्वावधान में कार्य करेगा और जहाजों एवं बंदरगाह सुविधाओं की सुरक्षा से संबंधित नियामक एवं निगरानी कार्यों के लिए उत्तरदायी होगा। गृह मंत्रालय ने बताया इस ब्यूरो का गठन नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) की तर्ज पर किया जा रहा है। बीओएस का नेतृत्व एक आईपीएस अधिकारी (वेतन स्तर-15) करेंगे। एक वर्ष की संक्रमणकालीन अवधि के दौरान, महानिदेशक जहाजरानी (डीजीएस/डीजीएमए) बीओएस के महानिदेशक के रूप में कार्य करेंगे।

इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि बंदरगाह सुरक्षा बल (बीओएस) सुरक्षा संबंधी सूचनाओं के समय पर विश्लेषण, संग्रह और आदान-प्रदान को सुनिश्चित करेगा, जिसमें साइबर सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, साथ ही बंदरगाह के आईटी बुनियादी ढांचे को डिजिटल खतरों से बचाने के लिए एक समर्पित विभाग भी शामिल होगा। बंदरगाह सुरक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए, मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को बंदरगाह सुविधाओं के लिए एक मान्यता प्राप्त सुरक्षा संगठन (आरएसओ) के रूप में नामित किया गया है, जो बंदरगाहों के लिए सुरक्षा आकलन करने और सुरक्षा योजनाएँ तैयार करने के लिए जिम्मेदार है।

3200 करोड़ के शराब घोटाले में बड़ी कार्रवाई, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पूर्व उप सचिव गिरफ्तार

छत्तीसगढ़, 19 दिसम्बर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को बताया कि छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पूर्व उप सचिव सौम्या चौरासिया को छत्तीसगढ़ शराब घोटाले के सिलसिले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है। ईडी के रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने सौम्या को 16 दिसंबर को गिरफ्तार किया था। उन्हें रायपुर स्थित विशेष पीएमएलए न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जिसने ईडी को आज (19 दिसंबर) तक तीन दिनों की हिरासत में भेज दिया। ईडी की जांच में पता चला है कि सौम्या ने कथित तौर पर अपराध से प्राप्त लगभग 115.5 करोड़ रुपये की रकम हासिल की थी। इसके अलावा, ईडी ने कहा कि डिजिटल रिकॉर्ड, जब्त सामग्री और लिखित बयानों के रूप में जुटाए गए सबूतों से यह साबित होता है कि सौम्या शराब सिंडिकेट की सक्रिय सहयोगी थी।

ईडी ने एक बयान में कहा, ₹डिजिटल सबूत सौम्या चौरसिया की केंद्रीय समन्वयकर्ता और अनिल तुतेजा और चैतन्य बघेल सहित सिंडिकेट के प्रमुख सदस्यों के बीच मध्यस्थ के रूप में भूमिका की पुष्टि करते हैं, जिससे अवैध धन के सृजन और मनी लॉन्ड्रिंग में मदद मिली। साथ ही, बरामद चैट से सिंडिकेट के प्रारंभिक संगठन में उसकी संलिप्तता का पता चलता है, जिसमें अरुण पति त्रिपाठी और निरंजन दास को आबकारी विभाग में महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त करने में सहायता करना शामिल है।

इससे पहले, पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल तुतेजा, अरविंद सिंह, त्रिलोक सिंह ढिल्लों, अनवर ढेबर, पूर्व आबकारी विभाग अधिकारी अरुण पति त्रिपाठी, कावासी लखमा (विधायक और छत्तीसगढ़ के तत्कालीन आबकारी मंत्री) और चैतन्य बघेल (पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र) को इस मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। ईडी ने छत्तीसगढ़ की आर्थिक अपराध शाखा की भ्रष्टाचार-विरोधी शाखा द्वारा भारतीय दंड संहिता, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) के आधार पर जांच शुरू की थी। पुलिस जांच में पता चला है कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ और अनुसूचित अपराधों के माध्यम से लाभार्थियों को 2,500 करोड़ रुपये से अधिक की अपराध-जनित आय (पीओसी) प्राप्त हुई।

फार्मा कंपनी का मालिक जम्मू में मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू कश्मीर पुलिस के मादक पदार्थों रोधी कार्य बल ने केंद्र शासित प्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी में कथित संलिप्तता के आरोप में दिल्ली स्थित एक दवा कंपनी के मालिक को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया, मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए मादक पदार्थों रोधी कार्य बल (एएनटीएफ) ने दक्षिणी दिल्ली निवासी और एक फार्मा कंपनी के मालिक जतीश बब्बर को पकड़ा। वह कई मादक पदार्थों और मनःप्रभावी पदार्थों से जुड़े मामलों में संलिप्त है।

राम वी. सुतार के हाथों में आकर पत्थर बोल उठते थे

-ललित गर्ग

राम वी. सुतार का शतायु जीवन केवल वर्षों की गणना नहीं था, वह भारतीय मूर्ति-कला की सदियों लंबी साधना का सजीव विस्तार था। सौ वर्ष की उम्र में उनका जाना ऐसा है जैसे पत्थर बोलने वाली भाषा का कोई मौन हो जाना, जैसे हथौड़े और छैनी के बीच जन्म लेने वाली संवेदनाओं का विराम। वे उन विरले कलाकारों में थे जिनके हाथों में पत्थर, धातु और कांस्य केवल पदार्थ नहीं रहते थे, वे चेतना बन जाते थे। आकृतियां नहीं गढ़ी जाती थीं, जीवन प्रकट होता था। उनके स्पर्श से निर्जीव सजीव हो उठता था और शिल्प अपने भीतर मनुष्य की धड़कनें समेट लेता था। राम वी. सुतार केवल महान मूर्तिकार नहीं थे, वे एक दर्शन थे। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण था कि कला केवल सौंदर्य की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि मनुष्यता का विस्तार होती है। उन्होंने जब किसी महापुरुष की प्रतिमा गढ़ी, तो केवल चेहरे की रेखाएं नहीं उकेरीं, उस व्यक्तित्व के भीतर छिपे संघर्ष, संकल्प, करुणा और दृष्टि को आकार दिया। यही कारण है कि उनकी बनाई मूर्तियां देखने वाले को देखती हैं, मौन होकर भी संवाद करती हैं और समय की सीमाओं से परे जाकर पीढ़ियों को प्रेरित करती हैं।

स्टैचू ऑफ यूनिटी आज विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा के रूप में खड़ी है, पर उसकी ऊंचाई केवल फीट और मीटर में नहीं मापी जानी चाहिए। उसमें सरदार पटेल की लौह इच्छाशक्ति के साथ-साथ राम वी. सुतार की तपस्या, धैर्य और अंतर्दृष्टि समाहित है। यह प्रतिमा केवल एक राष्ट्रीय प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय मूर्ति-कला की सामर्थ्य का वैश्विक घोष है। संसद परिसर में स्थापित गांधी प्रतिमा हो या देश-विदेश में फैली अनगिनत मूर्तियां, हर जगह उनकी कला ने इतिहास को वर्तमान से जोड़ा है और वर्तमान को भविष्य के लिए अर्थवान बनाया है। उनके हाथों में पत्थर बोलने लगते थे, पर उनके हृदय में मनुष्य बोलता था। वे जानते थे कि किसी नेता, संत या विचारक की प्रतिमा बनाते समय केवल शारीरिक समानता पर्याप्त नहीं होती। वहां आत्मा की समानता चाहिए। इसलिए वे पहले उस व्यक्तित्व को पढ़ते थे, समझते थे, आत्मसात करते थे। उनकी साधना में अध्ययन, ध्यान और संवेदना का अद्भुत संगम था। शायद यही कारण था कि उनकी कारीगरी में बारीकी के साथ-साथ एक ऐसी जीवंतता थी जो दर्शक को भीतर तक छू लेती थी।

राम सुतार जी एक सौ एक साल के थे और उम्र से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे थे। उनका जन्म 19 फरवरी 1925 को महाराष्ट्र में धूलिया जिले के गोन्दुर गाँव में एक गरीब परिवार में हुआ। उनका पूरा नाम राम वनजी सुतार था। वे भारत के सुप्रसिद्ध शिल्पकार थे। उनके द्वारा बनाई गईं महात्मा गांधी की प्रतिमाएं अब तक विश्व के तीन सौ से अधिक शहरों में लग चुकी हैं। उनके कलात्मक एवं अनूठे शिल्प साधना को सम्मानित करते हुए भारत सरकार ने उन्हें 1999 में पद्मश्री और 2016 में पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया। अक्टूबर 2018 में, सुतार को 2016 के सांस्कृतिक सद्भाव के लिए टैगोर पुरस्कार मिला। उनके पिता वनजी हंसराज जाति व कर्म से बढ़ई थे। राम सुतार का विवाह 1952 में प्रमिला के साथ हुआ। जिनसे उन्हें 1957 में एकमात्र पुत्र अनिल राम सुतार हुआ, जो पेशे से वास्तुकार हैं परन्तु अब वह भी नोएडा स्थित अपने पिता के स्टूडियो व कार्यशाला की देखरेख का कार्य करते हैं।

राम वी. सुतार का जीवन सादगी का पर्याय था। इतनी बड़ी उपलब्धियों के बावजूद उनमें कोई दर्प नहीं था। वे शिल्प के साधक थे, शोर के नहीं। उनका कार्य बोलता था, वे स्वयं मौन में रहकर भी सब कुछ कह जाते थे। उन्होंने यह सिद्ध किया कि सच्ची महानता प्रचार की मोहताज नहीं होती। वह अपने आप में पूर्ण होती है और समय उसे पहचान ही लेता है। उनकी कला में भारतीय परंपरा की गहरी जड़ें थीं, पर दृष्टि पूरी तरह आधुनिक और वैश्विक थी। वे अतीत से प्रेरणा लेते थे, वर्तमान की जरूरतों को समझते थे और भविष्य के लिए रूप गढ़ते थे। यही कारण है कि उनकी मूर्तियां किसी एक काल में बंद नहीं होतीं। वे हर युग में प्रासंगिक लगती हैं। उनमें इतिहास की गरिमा है, वर्तमान की चेतना है और भविष्य की उम्मीद भी। राम सुतार अपने गुरु रामकृष्ण जोशी से प्रेरणा लेकर मुम्बई गये, जहाँ उन्होंने जे०जे०स्कूल ऑफ आर्ट में दाखिला लिया। 1953 में इसी स्कूल से मॉडलिंग में उन्होंने सर्वोच्च अंक अर्जित करते हुए मेयो गोल्ड मेडल हासिल किया। मॉडलर के रूप में औरंगाबाद के आर्कियोलोजी विभाग में रहते हुए राम सुतार ने 1954 से 1958 तक अजन्ता व एलोरा की प्राचीन गुफाओं में मूर्तियों के पुनर्स्थापन का कार्य किया। 1958-1959 में वह सूचना व प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के दृश्य श्रव्य विभाग में तकनीकी सहायक भी रहे। 1959 में उन्होंने अपनी मर्जी से सरकारी नौकरी त्याग दी और पेशेवर मूर्तिकार बन गये। इन दिनों वह अपने परिवार के साथ नोएडा में निवास करते थे। राम सुतार ने वैसे तो बहुत-सी मूर्तियाँ बनायीं है, किन्तु उनमें से कुछ उल्लेखनीय मूर्तियों में 45 फुट ऊँची चम्बल देवी की मूर्ति गंगासागर बाँध, 17 फुट ऊँची मोहनदास कर्मचन्द गाँधी की मूर्ति गाँधीनगर, गुजरात, 21 फुट ऊँची महाराजा रणजीत सिंह की मूर्ति अमृतसर, 18 फुट ऊँची सरदार बल्लभ भाई पटेल की मूर्ति संसद भवन, नई दिल्ली, 9 फुट ऊँची भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति जम्मू, भारत के राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा की आवक्ष प्रतिमा, ब्रह्म सरोवर में कृष्ण अर्जुन रथ स्मारक कांस्य प्रतिमा आदि हैं। गुजरात में स्थापित सरदार वल्लभ भाई पटेल की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा ह्यस्टैच्यू ऑफ यूनिटीह्न राम सुतार के अद्भुत कला-कौशल का नमूना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भारत ने एक ऐसे कलाकार को खो दिया है जिसने देश की सांस्कृतिक पहचान को विश्व पटल पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें भारतीय कला परंपरा का स्तंभ बताते हुए कहा कि उनकी बनाई मूर्तियां आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र के महापुरुषों से जोड़ती रहेंगी। अनेक राजनेताओं, कलाकारों और विचारकों ने भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए स्वीकार किया कि राम वी. सुतार का जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का अवसान है। पर शायद स्वयं राम वी. सुतार इस तरह की श्रद्धांजलियों से अधिक अपने काम में विश्वास रखते थे। उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान यही था कि कोई उनकी बनाई मूर्ति के सामने खड़ा होकर कुछ क्षण मौन में डूब जाए, कुछ सोचने लगे, कुछ महसूस करने लगे। उन्होंने जीवन को भी उतना ही जीवंत बनाया जितना अपनी कला को। उनका व्यक्तित्व सहज, सरल और आत्मीय था। वे जहां भी गए, वहां प्रेरणा का एक शांत स्रोत बन गए। राम सुतार का जीवन शिल्प एवं कला की पाठशाला था, जिसमें उन्होंने यह भी सिखाया कि कला केवल तकनीक नहीं, साधना है। छैनी चलाने से पहले मन को तराशना पड़ता है। दृष्टि को निर्मल करना पड़ता है। शायद यही कारण था कि उनकी शतायु यात्रा के अंतिम क्षण तक उनकी सृजनात्मक ऊर्जा बनी रही। उम्र उनके लिए केवल एक संख्या थी, कला के प्रति उनकी जिजीविषा कभी वृद्ध नहीं हुई। आज जब हम उन्हें विदा कर रहे हैं, तो यह विदाई वास्तव में विदाई नहीं है। वे अपनी मूर्तियों में, अपने शिल्प में, अपनी संवेदनाओं में सदा उपस्थित रहेंगे। जब भी संसद परिसर में गांधी की प्रतिमा के सामने कोई सिर झुकाएगा, जब भी स्टैचू ऑफ यूनिटी के साये में कोई राष्ट्र की एकता को महसूस करेगा, राम वी. सुतार वहां होंगे। पत्थर के भीतर धड़कते हृदय की तरह, मौन में बोलती चेतना की तरह। उनका जीवन इस बात की साक्षी है कि एक साधारण मनुष्य भी अपनी साधना, संकल्प और संवेदना के बल पर महामानव बन सकता है। उन्होंने पत्थर को जीवन दिया, पर उससे भी बड़ा कार्य उन्होंने यह किया कि जीवन को अर्थ दिया। भारतीय मूर्ति-कला के इस शीर्ष पुरुष को विनम्र श्रद्धांजलि। उनका जाना हमें शून्य नहीं देता, बल्कि एक विराट उत्तरदायित्व सौंपता है कि हम कला, संस्कृति और मनुष्यता के इस दीप को बुझने न दें।

एसआईआर अपडेट से बदल सकता है यूपी का चुनावी नक्शा

-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की राजनीति इन दिनों मतदाता सूची के एक तकनीकी से दिखने वाले, लेकिन असर में बेहद सियासी मुद्दे के इर्द-गिर्द घूम रही है. स्पेशल इंटेंसिव रिविजन यानी एसआईआर को लेकर ऐसा घमासान मचा है कि यह प्रक्रिया 2027 के विधानसभा चुनाव की बुनियाद बनती नजर आ रही है. चुनाव आयोग इसे नियमित और जरूरी कवायद बता रहा है, जबकि राजनीतिक दल इसे अपने-अपने चश्मे से देख रहे हैं. एक तरफ बीजेपी फर्जी, डुप्लीकेट और घुसपैठियों के नाम हटाने की बात कर रही है, दूसरी तरफ विपक्ष को आशंका है कि इस प्रक्रिया की आड़ में गरीब, अल्पसंख्यक और प्रवासी तबके के वोट काटे जाएंगे. एसआईआर की शुरूआत 1 नवंबर 2025 से हुई. जनवरी 2025 की मतदाता सूची के मुताबिक उत्तर प्रदेश में कुल 15.44 करोड़ मतदाता दर्ज थे. आयोग का उद्देश्य साफ है मृत मतदाताओं, स्थानांतरित हो चुके लोगों, दोहरी प्रविष्टियों और फर्जी नामों को हटाना, साथ ही नए योग्य मतदाताओं को जोड़ना. इसके लिए बूथ लेवल ऑफिसर के जरिए घर-घर सत्यापन कराया गया. यह प्रक्रिया पहले भी होती रही है, लेकिन इस बार विवाद इसलिए गहरा गया क्योंकि सत्ताधारी दल के शीर्ष नेताओं के बयान सियासी आग में घी डालने लगे.

14 दिसंबर 2025 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीजेपी कार्यकताओं की एक बैठक में कहा कि एसआईआर के बाद प्रदेश की मतदाता सूची से करीब चार करोड़ नाम हट सकते हैं. उन्होंने यह भी जोड़ा कि इनमें से 85 से 90 फीसदी नाम बीजेपी समर्थकों के हैं. यह बयान आते ही सियासी हलकों में खलबली मच गई. सवाल उठने लगे कि अगर वास्तव में चार करोड़ नाम हटते हैं तो यह प्रदेश की राजनीति का चेहरा बदल सकता है. योगी के मुताबिक, अब तक करीब 12 करोड़ नाम ही रिकॉर्ड हो पाए हैं, जबकि आबादी के अनुपात में यह संख्या ज्यादा होनी चाहिए. उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे बूथ स्तर पर सक्रिय होकर छूटे हुए नामों को जोड़वाएं.योगी के बयान के कुछ ही दिन बाद, 17 दिसंबर को पूर्व बीजेपी सांसद सुब्रत पाठक ने एक अलग ही दावा कर दिया. उन्होंने कहा कि कन्नौज लोकसभा क्षेत्र की तीन विधानसभा सीटों में ही करीब तीन लाख नाम कट सकते हैं और ये ज्यादातर समाजवादी पार्टी के वोटर हैं. यह बयान योगी के दावे से उलट दिशा में जाता दिखा. एक तरफ मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि बीजेपी समर्थकों के नाम ज्यादा कट रहे हैं, दूसरी तरफ पार्टी के ही एक वरिष्ठ नेता दावा कर रहे हैं कि नुकसान समाजवादी पार्टी को होगा. यहीं से एसआईआर पर सवाल और गहरे हो गए.

विपक्ष ने इन बयानों को हाथों हाथ लपक लिया. समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि अगर चार करोड़ नामों में 85 फीसदी बीजेपी के हैं, तो इसका मतलब यह हुआ कि बीजेपी के साढ़े तीन करोड़ वोटर फर्जी थे. उन्होंने चुनाव आयोग से पूरी प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच की मांग की. कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने भी आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर वोट काटने की साजिश रची जा रही है, खासकर उन इलाकों में जहां गरीब, मजदूर और अल्पसंख्यक आबादी ज्यादा है.असल में, अभी तक चुनाव आयोग ने कोई आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया है. ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जनवरी 2026 में आएगी और फाइनल सूची फरवरी में प्रकाशित होगी. यानी फिलहाल जो भी दावे किए जा रहे हैं, वे प्राथमिक फीडबैक, कार्यकताओं की रिपोर्ट और अनुमान पर आधारित हैं. यही वजह है कि आंकड़ों से ज्यादा बयानबाजी सुर्खियों में है.योगी आदित्यनाथ के चार करोड़ वाले दावे के पीछे जो गणित बताया जा रहा है, वह भी चर्चा में है. यूपी की आबादी करीब 25 करोड़ मानी जाती है. अगर इसमें 65 फीसदी वयस्क मतदाता मानें, तो आंकड़ा करीब 16 करोड़ के आसपास बैठता है. इसमें हर साल 18 साल पूरे करने वाले नए वोटरों को जोड़ना भी शामिल है. ऐसे में 12 करोड़ नाम रिकॉर्ड होने की बात सुनकर चार करोड़ का अंतर निकालना आसान है. लेकिन यह अंतर वास्तव में नाम कटने का है या अब तक सत्यापन में न आ पाने का, यह साफ नहीं है.

बीजेपी के भीतर भी यह माना जा रहा है कि शहरी इलाकों में बड़ी संख्या में लोग काम के सिलसिले में दूसरे शहरों में रहते हैं, लेकिन गांव का वोट बनाए रखते हैं. सत्यापन के समय ऐसे कई नाम छूट जाते हैं. योगी का जोर इस बात पर था कि पार्टी कार्यकर्ता समय रहते ऐसे मतदाताओं का फॉर्म भरवाएं. उनके भाषण में बांग्लादेशी घुसपैठियों और उम्र में गड़बड़ी वाले उदाहरण भी आए, जिसने पूरे मुद्दे को राष्ट्रीय सुरक्षा और पहचान की राजनीति से जोड़ दिया.दूसरी ओर, सुब्रत पाठक का बयान कन्नौज जैसे समाजवादी पार्टी के मजबूत गढ़ से जुड़ा है. 2019 में यहां से सांसद रहे पाठक 2024 में अखिलेश यादव से चुनाव हार चुके हैं. ऐसे में उनके बयान को स्थानीय सियासत और 2027 की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है. उनका दावा है कि फर्जी और डुप्लीकेट नामों का सबसे ज्यादा फायदा समाजवादी पार्टी को मिला है और एसआईआर के बाद उसकी असलियत सामने आ जाएगी. हालांकि, इस दावे के समर्थन में भी कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं है.

चुनाव आयोग ने बार-बार कहा है कि एसआईआर पूरी तरह पारदर्शी प्रक्रिया है और किसी भी नाम को हटाने से पहले नोटिस और अपील का मौका दिया जाता है. आयोग का कहना है कि अंतिम सूची आने से पहले किसी भी तरह का निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी. इसके बावजूद राजनीतिक बयानबाजी थमने का नाम नहीं ले रही.अगर दूसरे राज्यों के अनुभव देखें तो तस्वीर थोड़ी साफ होती है. बिहार और पश्चिम बंगाल में हुए एसआईआर में बड़ी संख्या में युवा मतदाताओं के नाम जुड़े हैं, जबकि मृत, डुप्लीकेट और लंबे समय से बाहर रह रहे लोगों के नाम कटे हैं. वहां किसी एक पार्टी को सीधा फायदा या नुकसान होने की बात साफ तौर पर सामने नहीं आई. यूपी में भी यही पैटर्न दोहराया जा सकता है, लेकिन यहां का पैमाना और सियासी दांव कहीं बड़े हैं. सवाल आखिर में यही है कि मतदाताओं की संख्या घटने या बढ़ने से फायदा किसे होगा. इसका जवाब अभी किसी के पास नहीं है. यह इस बात पर निर्भर करेगा कि किन इलाकों में, किस सामाजिक वर्ग के और किस उम्र के मतदाताओं के नाम सूची से बाहर होते हैं या जुड़ते हैं. फिलहाल इतना तय है कि एसआईआर ने 2027 के चुनाव से पहले राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है. जब तक जनवरी-फरवरी 2026 में आधिकारिक आंकड़े सामने नहीं आते, तब तक योगी हों या अखिलेश, हर बयान सियासत का हिस्सा बना रहेगा और वोटर लिस्ट राजनीति का सबसे बड़ा हथियार बनी रहेगी.

हजारों करोड़ के कोडीन रैकेट पर सियासी संग्राम, योगी बनाम अखिलेश की शायरी वार

-संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की राजनीति एक बार फिर तेज बयानबाजी और आरोपझ्रप्रत्यारोप के दौर में प्रवेश कर चुकी है। विधानसभा के शीतकालीन सत्र से ठीक पहले कोडीन फॉस्फेट युक्त कफ सिरप की अवैध तस्करी को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव आमनेझ्रसामने आ गए हैं। मामला सिर्फ नशीली दवाओं की तस्करी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसमें राजनीतिक संरक्षण, माफिया नेटवर्क और हजारों करोड़ के अवैध कारोबार के आरोप जुड़ने के बाद यह एक बड़े सियासी संघर्ष का रूप ले चुका है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीडिया से बातचीत में इस मामले को लेकर समाजवादी पार्टी पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सक्रिय रहे अधिकांश माफियाओं के तार किसी न किसी रूप में सपा से जुड़े रहे हैं और कोडीन कफ सिरप तस्करी के मामले में पकड़े गए कुछ अभियुक्तों के संबंध भी समाजवादी पार्टी से सामने आए हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि जांच अभी जारी है और अंतिम निष्कर्ष उसी के बाद सामने आएगा, लेकिन प्रारंभिक तथ्यों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उनका कहना था कि जब अभियुक्तों के साथ राजनीतिक नेताओं की तस्वीरें सामने आती हैं, तो सवाल उठना स्वाभाविक है।

योगी आदित्यनाथ ने शायराना अंदाज में सपा नेतृत्व पर तंज कसते हुए कहा कि धूल चेहरे पर थी और आईना साफ करते रहे। उनके इस बयान को सीधे तौर पर अखिलेश यादव पर कटाक्ष के रूप में देखा गया। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि जांच होने दीजिए, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। सरकार किसी भी दोषी को बख्शने के मूड में नहीं है, चाहे उसका संबंध किसी भी दल या प्रभावशाली व्यक्ति से क्यों न हो।मुख्यमंत्री के बयान के कुछ ही समय बाद समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए सरकार पर निशाना साधा। बिना मुख्यमंत्री का नाम लिए उन्होंने शायरी के माध्यम से पलटवार किया और आरोप लगाया कि जब खुद फंस जाओ तो दूसरे पर इल्जाम लगाओ। अखिलेश यादव के इस बयान को सरकार के आरोपों का सधा हुआ जवाब माना गया। सपा नेताओं का कहना है कि सरकार अपनी नाकामियों और प्रशासनिक विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए विपक्ष को निशाना बना रही है।

कोडीन फॉस्फेट युक्त कफ सिरप का यह मामला इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है क्योंकि यह सीधे तौर पर एनडीपीएस अधिनियम से जुड़ा हुआ है। कोडीन एक नियंत्रित औषधि है, जिसका उपयोग सीमित मात्रा में और निर्धारित चिकित्सकीय जरूरतों के लिए किया जाता है। सरकार का कहना है कि हाल के वर्षों में इसका बड़े पैमाने पर नशे के रूप में दुरुपयोग हुआ है। जांच एजेंसियों के मुताबिक उत्तर प्रदेश के वाराणसी, जौनपुर, लखनऊ, गाजियाबाद और सोनभद्र जैसे जिलों में एक संगठित नेटवर्क सक्रिय था, जो फर्जी लाइसेंस, शेल कंपनियों और जाली दस्तावेजों के जरिए कफ सिरप की अवैध सप्लाई कर रहा था।सरकारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 37 लाख से अधिक बोतलों की अवैध बिक्री का पता चला है, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 57 करोड़ रुपये बताई जा रही है, जबकि पूरे सिंडिकेट का कारोबार लगभग 2,000 करोड़ रुपये तक आंका जा रहा है। यह सिरप उत्तर प्रदेश से बिहार, पश्चिम बंगाल और सीमा पार तक भेजा जा रहा था। जांच में यह भी सामने आया है कि शराबबंदी वाले राज्यों में इसकी मांग अधिक थी, जहां इसे नशे के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था।

इस रैकेट का मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल बताया जा रहा है, जो कथित तौर पर वाराणसी का एक साधारण मेडिकल सप्लायर था, लेकिन कुछ ही वर्षों में उसने अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क खड़ा कर लिया। जांच एजेंसियों के अनुसार कोरोना काल के दौरान उसने इस अवैध कारोबार को तेजी से फैलाया। शुभम पर आरोप है कि उसने फर्जी फर्मों के जरिए हिमाचल प्रदेश की फैक्ट्रियों से कफ सिरप मंगवाया और फिर उत्तर प्रदेश में गुप्त गोदामों के माध्यम से इसकी तस्करी कराई। फिलहाल वह फरार है और उसके दुबई में छिपे होने की आशंका जताई जा रही है। सरकार ने इस पूरे मामले की निगरानी के लिए राज्य स्तरीय विशेष जांच टीम का गठन किया है, जिसमें यूपी पुलिस, एसटीएफ और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। इसके साथ ही प्रवर्तन निदेशालय ने भी मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से जांच शुरू कर दी है। अब तक 12 से अधिक दवा कारोबारियों पर केस दर्ज किए जा चुके हैं और कई ठिकानों पर छापेमारी की गई है। अधिकारियों का कहना है कि अवैध कमाई से बनाई गई संपत्तियों को चिन्हित कर कुर्की की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी।

इस पूरे विवाद के बीच विधानसभा का शीतकालीन सत्र भी राजनीतिक रूप से बेहद अहम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सत्र 19 दिसंबर से शुरू होकर 24 दिसंबर तक चलेगा और इसमें जनहित, विकास और विधायी कार्यों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। हालांकि पहले दिन एक सदस्य के आकस्मिक निधन के कारण शोक प्रस्ताव के चलते कार्यवाही सीमित रहेगी। इसके बावजूद माना जा रहा है कि कोडीन कफ सिरप तस्करी का मुद्दा सदन के भीतर और बाहर तीखी बहस का केंद्र बनेगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मामला आने वाले समय में 2027 के विधानसभा चुनावों की राजनीति को भी प्रभावित कर सकता है। एक ओर योगी सरकार इसे नशामुक्त प्रदेश की मुहिम और माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई के तौर पर पेश कर रही है, वहीं समाजवादी पार्टी इसे राजनीतिक प्रतिशोध और विपक्ष को बदनाम करने की कोशिश बता रही है। फिलहाल जांच एजेंसियों की कार्रवाई जारी है और पूरे प्रदेश की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच के निष्कर्ष किस ओर इशारा करते हैं।

महात्मा गांधी -- जै राम जी!

(आलेख : संजय पराते)

संघी गिरोह को महात्मा गांधी के काम से ही नहीं, उनके नाम से भी कितनी नफरत है, यह मनरेगा को खत्म करने और उसकी जगह वीबी-जी राम जी विधेयक लाने के मोदी सरकार के कदम से पता चलता है। विधेयक के नाम से ही यह भी साफ हो जाता है कि उसकी पूरी राजनीति राम के नाम पर ही टिकी है। इस योजना का नाम कुटिलतापूर्वक मनरेगा से बदलकर जी राम जी किया जाना भी, भाजपा-आरएसएस के विचारधारात्मक आग्रह को दिखाता है। संघी गिरोह ने राज करने के लिए राम को सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का प्रतीक बना लिया है। तीन दिन पहले मंत्रिमंडल ने महात्मा गांधी की जगह पूज्य बापू नाम रखने का फैसला किया था, लेकिन इसे बदल दिया गया, तो शायद इसलिए कि यह नाम उनकी ध्रुवीकरण की राजनीति के मकसद को पूरा नहीं कर रहा था। श्रम कानूनों को खत्म करके और चार श्रम संहिताओं को थोपने के जरिए शहरी मजदूरों के अधिकारों पर हमले के बाद देर-सबेर ग्रामीण मजदूरों के अधिकारों पर भी हमला होना ही था। लेकिन यह हमला इतनी जल्दी होगा, यह किसी ने नहीं सोचा था। मोदी सरकार जिन 'श्रम सुधारों' की बात करती है, उसका चरित्र ही मजदूर विरोधी और कॉरपोरेटपरस्त हैं। यह पूंजीवाद के हित में होता है कि समाज में बेरोजगार मजदूरों की एक बड़ी सेना का अस्तित्व बना रहे, ताकि लागत में मजदूरी के हिस्से को न्यूनतम रखकर अधिकतम मुनाफा कमाया जा सके। इसलिए वह सार्वभौमिक रोजगार, जो कि मनरेगा की अवधारणा है, जैसी किसी भी योजना के खिलाफ होता है।

महात्मा गांधी नेशनल रूरल एंप्लायमेंट गारंटी एक्ट (मनरेगा) की जगह विकसित भारत -- गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025 (वीबी-जी राम जी विधेयक) लाने का मोदी सरकार का फैसला इन्हीं मजदूर विरोधी श्रम सुधारों को लागू करने की दिशा में एक बढ़ा हुआ कदम है। मोदी सरकार के इस कदम का कड़ा विरोध किया जाना चाहिए, क्योंकि यह विधेयक, मनरेगा के बुनियादी चरित्र को ही पूरी तरह से नकारता है और रोजगार की सार्वभौमिक गारंटी की जगह काम की केवल एक सीमित गारंटी देता है। यह विधेयक केंद्र सरकार को राज्यों की मांग के अनुसार फंड आबंटित करने की अपनी जिम्मेदारी से भी कानूनी तौर पर बरी कर देता है। रोजगार की सार्वभौमिक गारंटी और राज्यों की मांग के अनुसार फंड का 100 प्रतिशत आबंटन -- ये दोनों प्रावधान मनरेगा की जान हैं। नया विधेयक इन दोनों प्रावधानों के विपरीत है और इसलिए ये ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का सृजन नहीं, रोजगार का विनाश ही करेंगे। (इस विधेयक का छुपा हुआ उद्देश्य यही है।) इस प्रकार, दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार प्रदाय योजना, जिसने कोरोना के संकट काल में भी अपना औचित्य साबित किया था और कृषि विकास दर में वृद्धि सुनिश्चित की थी, को असल में भाड़ में झोंक दिया गया। इस विधेयक को अपने संसदीय बहुमत के बल पर सरकार ने पारित करा लिया है और हड़बड़ी इतनी थी कि इसके प्रावधानों को संसद की स्थायी समिति में भेजकर विचार-विमर्श करने की विपक्ष की सलाह को भी मानने से इंकार कर दिया।

मनरेगा में बिना किसी भेदभाव के हर ग्रामीण परिवार के लिए 100 दिनों के रोजगार की गारंटी दी गई है। नए विधेयक में इसे 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन करने का प्रावधान किया गया है। इस प्रावधान को सामने रखकर संसद में मोदी सरकार ने इसे ?पुराने मनरेगा कानून का आधुनिक विकल्प? बताया है और इसे ?विकसित भारत - 2047 के लक्ष्य के अनुरूप ग्रामीण विकास के लिए संरचनात्मक सुधार? करार दिया है। लेकिन यह दावा महज एक दिखावा है। सचाई यह है कि यह विधेयक, जॉब कार्डों को युक्तियुक्त बनाने के नाम पर, ग्रामीण परिवारों के बहुत बड़े हिस्सों को रोजगार मांगने के अधिकार से ही बाहर करने के दरवाजे खोलता है। हमारा अनुभव यह बताता है कि मनरेगा के सार्वभौमिक रोजगार के प्रावधान को कमजोर करने की पिछले 11 सालों में हर संभव कोशिश हुई है, जिसके तहत पर्याप्त बजट आबंटन न करना, इस कारण मजदूरों का समय पर मजदूरी का भुगतान न होना और महीनों इसका लंबित रहना, इस भुगतान को भी अनिवार्य रूप से आधार और बैंक खातों से जोड़ना, मजदूरों की उपस्थिति को डिजिटली दर्ज करने का निर्देश देना आदि शामिल हैं। इसी साल अक्टूबर-नवम्बर के बीच के एक माह में 27 लाख मजदूरों के नाम निष्क्रियता के आधार पर पंजीयन सूची से हटा दिए गया है। इसलिए इस नए विधेयक में 100 की जगह 125 दिनों का रोजगार देने का प्रावधान आश्वस्तिदायक नहीं है। पिछले 11 सालों का मोदी सरकार का रिकॉर्ड बताता है कि मनरेगा के 100 दिनों के रोजगार की गारंटी के बावजूद उसने औसतन हर साल 40-45 दिनों का ही रोजगार दिया है, जो यूपीए राज के औसत से कम है। नए विधेयक में तो इस गारंटी को भी कमजोर कर दिया गया है। मनरेगा मांग-आधारित योजना है, लेकिन नए विधेयक में इससे राम-राम कर लिया गया है। 125 दिनों के रोजगार की उपलब्धता उन क्षेत्रों के लिए होगी, जिसका चयन केंद्र सरकार करेगी। इस चयन के मापदंड का उल्लेख विधेयक में नहीं मिलता और हम आसानी से अनुमान लगा सकते है कि यह चयन भाजपा की राजनैतिक जरूरतों को पूरा करने का माध्यम बनेगा। इसके साथ ही, ग्रामीण विकास योजनाओं को तैयार करने में ग्राम पंचायतों की स्वायत्तता भी खत्म हो जाएगी और उन्हें केंद्र की बनी-बनाई लीक पर काम करना होगा। इस प्रकार, राज्यों और केंद्र के बीच संविधान में उल्लेखित सहकारी संघवाद की अवधारणा को भी दफनाया जाएगा।

नए विधेयक में सरकार को यह अधिकार दिया जा रहा है कि कृषि के मौसम में, जब खेतों में सबसे ज्यादा काम होता है, इस रोजगार योजना को निलंबित किया जा सकता है। यह प्रावधान ग्रामीण परिवारों को उसकी सबसे ज्यादा जरूरत के समय काम से वंचित करके, उन्हें भूस्वामियों के रहमो-करम पर निर्भर बना देगा। विधेयक में 'कृषि-सघन मौसम' को परिभाषित नहीं किया गया है। हमारे देश में, जलवायु की विविधता है और इसके कारण विविध फसलों का उत्पादन होता है। रबी और खरीफ के मौसम के अलावा, ऐसे भी क्षेत्र हैं, जहां तीन फसलें होती हैं और इस कारण कृषि संबंधी गतिविधियां साल भर चलती रहती हैं। नए विधेयक के इस प्रावधान के तहत काम देने से इंकार करने के लिए इसे साल के ज्यादातर हिस्से तक बढ़ाया जा सकता है। इससे रोजगार गारंटी का उद्देश्य ही खत्म हो जाता है। कार्य स्थल पर डिजिटल हाजिरी की अनिवार्यता का प्रावधान भी मजदूरों के लिए भारी कठिनाईयां पैदा करेगा और उन्हें रोजगार की हानि के साथ ही उनके अधिकारों से वंचित करने का माध्यम बनेगा।

नव उदारवादी नीतियों के तहत जल, जंगल, जमीन जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर कॉरपोरेट कब्जे को आसान बनाने के कारण छोटे किसानों के हाथों से बड़े पैमाने पर कृषि भूमि निकल गई है और किसानों से वे खेत मजदूरों की कतार में आकर खड़े हो गए हैं। इसके साथ ही कृषि क्षेत्र में पूंजीवादी विकास के कारण मशीनीकरण बढ़ा है। इसके कारण खेती के मौसम में भी खेत मजदूरों को खेती में मिलने वाले रोजगार के दिनों में भयंकर गिरावट आई है। ग्रामीण क्षेत्र की यह जानी-पहचानी हकीकत है कि कानूनी प्रावधानों के बावजूद आज भी खेती के कामों में महिलाओं को पुरुषों के बराबर मजदूरी नहीं दी जाती और उनके लिए यह मजदूरी 40 प्रतिशत तक कम है। मनरेगा ने ठीक ऐसे ही खेत मजदूरों को सहारा दिया था और कृषि-सघन मौसम में भी यदि उनके लिए उचित मजदूरी पर खेतों में काम उपलब्ध नहीं है, तो वैकल्पिक रोजगार का प्रबंध किया था। यह नया विधेयक सबसे ज्यादा ग्रामीण गरीबों से जिंदा रहने का यह वैकल्पिक सहारा भी छीन रहा है। बढ़ते मशीनीकरण और रोजगार के औसत दिनों में गिरावट के साथ मनरेगा की अनुपस्थिति उनकी मजदूरी में भी और विशेषकर, महिलाओं की मजदूरी में भयंकर गिरावट लाएगी और भूस्वामियों के शोषण को तेज करेगी।

मनरेगा पर हुए कई अध्ययन यह बताते हैं कि इससे ग्रामीण गरीबों की आय में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इस योजना के कारण गरीब ग्रामीणों में स्वाभिमान की भावना बढ़ी है, क्योंकि इसने उनकी सामूहिक सौदेबाजी की ताकत को बढ़ाया है। इसके कारण, चाहे मनरेगा में उसे रोजगार मिले या न मिले, मनरेगा से कम मजदूरी दरों पर अन्यत्र काम करने से उसने इंकार किया है। मनरेगा के कारण कृषि कार्यों के लिए मजदूर न मिलने का दुष्प्रचार इसी कारण से है कि अब गरीब ग्रामीण कम मजदूरी पर काम करने के लिए तैयार नहीं है। प्रभुत्वशाली सामंती वर्ग इसे अपने लिए गरीब ग्रामीणों की सीधी चुनौती मानता है। मोदी सरकार का जी राम जी विधेयक मनरेगा के कारण बनी ग्रामीण गरीबों की इसी ताकत को तोड़ने का काम करेगा। ग्रामीण रोजगार के लिए फंडिंग के पैटर्न में प्रस्तावित बदलाव भी मजदूरों को रोजगार से वंचित करेगा। यह विधेयक, मजदूरी भुगतान के लिए केंद्र की जवाबदेही वर्तमान 100 फीसद से घटाकर, राज्यों के साथ 60:40 के आधार पर साझेदारी का प्रावधान करता है। यह बेरोजगारी भत्ता तथा मुआवजे के खर्च की जिम्मेदारी भी राज्यों पर डालता है। इसके साथ ही, ह्यह्यनार्मेटिव आबंटनह्लह्ल का प्रावधान किया जा रहा है, जिसका अर्थ है कि केंद्र द्वारा रोजगार कार्यों पर खर्च की राज्यवार अधिकतम सीमाएं तय की जाएंगी और इससे ज्यादा खर्च करने पर लागत का भार राज्यों को उठाना होगा।

अभी तक केंद्र सरकार इस योजना के लिए 60-70 हजार करोड़ रुपयों का ही बजट आबंटन करती आई है। इस योजना के विशेषज्ञों के अनुसार मनरेगा के लिए यह बजट आबंटन बहुत ही कम है और इस योजना से जुड़ी बहुत-सी परेशानियां और खामियां इसी कारण से है। अब कथित रूप से बढ़े हुए रोजगार दिवसों के साथ, यदि योजना के स्तर को बनाए रखना है, तो कम से कम 1 लाख करोड़ रुपयों का बजट आबंटन करना होगा और विधेयक के प्रावधानों के अनुसार, इसका 40 प्रतिशत याने लगभग 40000 करोड़ रुपयों का बोझ राज्य सरकारों को उठाना होगा। इससे पहले से ही आर्थिक रूप से संकटग्रस्त राज्य सरकारों पर अवहनीय वित्तीय बोझ पड़ेगा, जबकि राज्यों के वित्तीय संसाधनों के पूरे स्रोत पहले ही केंद्र सरकार ने हड़प लिए हैं। इससे ग्रामीण रोजगार कार्यों के सृजन से ही राज्य बचने की कोशिश करेंगे। यदि मोदी सरकार केंद्र के वर्तमान आबंटन को ही राज्यों के साथ साझा करेगी, तो योजना की वर्तमान गुणवत्ता को भी बनाए रखना मुश्किल होगा, क्योंकि सरकार का यह रुख इस कार्यक्रम के दायरे को और सीमित कर देगा और केंद्र की जवाबदेही को कम करेगा। हमारे देश का किसान आंदोलन इस योजना में 250 दिनों का रोजगार देने और मजदूरी दर 750 रुपए करने की मांग को लेकर निरंतर आंदोलन कर रहा है। संसद की स्थायी समिति ने भी न्यूनतम मनरेगा मजदूरी 400 रुपए प्रतिदिन करने की सिफारिश की है। इसको नजरअंदाज करते हुए मोदी सरकार ने अपने ही अंदाज में इस योजना में न्यूनतम मजदूरी 240 रुपए प्रतिदिन का प्रावधान कर दिया है, जबकि भाजपा शासित राज्यों सहित कई राज्यों में मजदूरी की दर इससे बहुत ऊंची है। इसलिए यह न्यूनतम मजदूरी कई राज्यों को इस रोजगार योजना के लिए मजदूरी कम करने या फिर लंबे समय तक उन राज्यों में चल रही मजदूरी दरों पर ही स्थिर रहने को प्रेरित करेगा। वास्तविकता तो यह है कि मनरेगा के लिए दी जा रही मजदूरी शहरों में असंगठित क्षेत्र के अकुशल मजदूरों के लिए घोषित न्यूनतम मजदूरी से भी कम है।

भारत के पहले 'इमर्सिव यूनिवर्स' का कल्याण में शुभारंभ

- मनोरंजन की नई क्रांति प्रकाश, दर्पण और तकनीक का अद्भुत खेल
- विदेश जैसा अनुभव अब हमारे कल्याण में

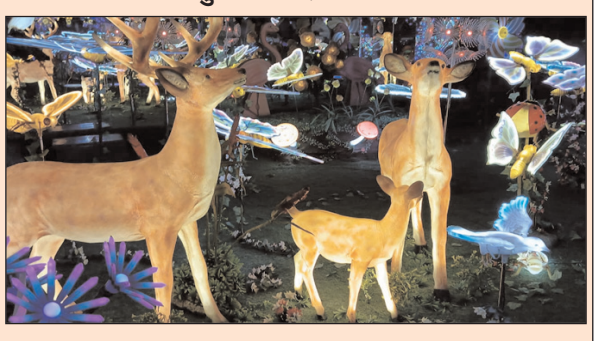

कल्याण(उत्तरशक्ति)। मनोरंजन के क्षेत्र का विश्व स्तरीय अनुभव अब सीधे कल्याणवासियों के द्वार पर आ गया है। आज कल्याण के मेट्रो जंक्शन मॉल में भारत के पहले 'इमर्सिव यूनिवर्स' यानी 'झिंगवर्स' के शुभारंभ की भव्य घोषणा की गई। वेस्ट पायनियर प्रॉपर्टीज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित यह अद्भुत विश्व कुल 25,000 स्क्वायर फीट के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है। यह केंद्र केवल एक संग्रहालय नहीं है, बल्कि कला, विज्ञान और कल्पना का एक अनूठा संगम है। परिवार, युवा पीढ़ी और बच्चों जैसे सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए यह स्थान आकर्षण का केंद्र बनने वाला है। झिंगवर्स में प्रवेश करते ही आगंतुकों को एक अलग ही दुनिया में कदम रखने का अहसास होता है। यह एक बहु-संवेदी वातावरण है, जहाँ प्रकाश, ध्वनि और स्थान मानवीय उपस्थिति के अनुसार प्रतिक्रिया देते हैं। यहाँ 360त प्रोजेक्शन वाला 'झिंगडम' प्रवेश द्वार अंतरिक्ष की सैर कराता है, तो 'झिंगलो' एक जैविक प्रकाश वाले काल्पनिक जंगल जैसा महसूस कराता है, जो विशेष रूप से बच्चों और फोटोग्राफी प्रेमियों के लिए किसी पर्व से कम नहीं है। इसके अलावा, 'झिंगफिनिटी' क्षेत्र दर्पणों और प्रकाश के भ्रम से एक अनंत ब्रह्मांड का निर्माण करता है, जो वर्तमान के 'रील्स' और सोशल मीडिया युग के कंटेंट क्रिएटर्स के लिए सबसे बेहतरीन स्थान माना जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी देते हुए वेस्ट पायनियर प्रॉपर्टीज के सीईओ गौरव अग्रवाल ने कहा कि, ₹झिंगवर्स की संकल्पना कल्पना को उड़ान देने और लोगों में जिज्ञासा जगाने के लिए की गई है। विश्व स्तरीय अनुभव लेने के लिए अब विदेश जाने या बड़े मेट्रो शहरों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। कल्याण अब मुंबई महानगर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक केंद्र के रूप में उभर रहा है और झिंगवर्स के कारण इस शहर को अनुभवात्मक पर्यटन के मानचित्र पर वैश्विक पहचान मिलेगी। इस केंद्र के मुख्य परिचालन अधिकारी नितिन म्हात्रे ने बताया कि यहाँ कुल 25 से अधिक आकर्षण हैं और हर कोना कुछ नया खोजने का अवसर देता है। सुरक्षा और मनोरंजन का सही तालमेल बिठाते हुए, यह स्थान मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए एक यादगार पिकनिक स्पॉट साबित होगा। उद्घाटन समारोह के अवसर पर पर्यटकों को विशेष छूट का लाभ भी मिल सकेगा।

भिवंडी से नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक पैदल एल्गार मोर्चा को पुलिस ने नहीं दी इजाजत

भिवंडी । नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम स्व. दी. बा. पाटिल के नाम पर रखने की मांग को लेकर भिवंडी लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा के नेतृत्व में 22 से 24 दिसंबर को भिवंडी के मनकोली से नवी मुंबई एयरपोर्ट तक पैदल मार्च का आयोजन किया गया था जिसे नारपोली पुलिस ने मनपा चुनाव की आचार संहिता का हवाला देते हुए इस आंदोलन को इजाजत देने से इनकार कर दिया है। बतादें कि पूरे राज्य में आचार संहिता लागू हो चुकी है इसलिए नारपोली पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक द्वारा सांसद बाल्या मामा को एक लिखित पत्र भेजा गया है जिसमें कहा गया है कि आचार संहिता के दौरान आंदोलन की इजाजत नहीं दी जा सकती। अब यह देखना जरूरी है कि सांसद बाल्या मामा और स्थानीय भूमिपुत्र आंदोलन समिति के पदाधिकारी इस आंदोलन को लेकर क्या रुख अपनाते हैं।

आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस ने विजन रिटायरमेंट सॉल्यूशन लॉन्च किया

मुंबई/पटना। आदित्य बिड़ला कैपिटल की लाइफ इंश्योरेंस सब्सिडियरी, आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एबीएसएलआई), जो भारत की एक प्रमुख डाइवर्सिफाइड फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी है, ने आज एबीएसएलआई विजन रिटायरमेंट सॉल्यूशन लॉन्च करने की घोषणा की -यह एक इनोवेटिव और फ्लेक्सिबल रिटायरमेंट सॉल्यूशन है जो आपके रिटायरमेंट के लिए रेगुलर इनकम देता है। एबीएसएलआई विजन रिटायरमेंट सॉल्यूशन आज के स्मार्ट रिटायर होने वाले लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सोच-समझकर डिजाइन किया गया है। यह सॉल्यूशन एबीएसएलआई के गारंटीड एन्युटी प्लस को एबीएसएलआई के वेल्थ इनफिनिया प्लान के साथ जोड़ता है, जो जीवन भर गारंटीड एन्युटी पेआउट सुनिश्चित करता है, और इन्फ्लेशन से आगे रहने के लिए इक्विटी-लिंक्ड ग्रोथ पोटेंशियल देता है। यह सॉल्यूशन 100 साल की उम्र तक गारंटीड पेआउट देता है, जिससे जीवन भर वित्तीय सुरक्षा मिलती है, जबकि इक्विटी-लिंक्ड हिस्सा मार्केट एक्सपोजर के साथ बेहतर पेआउट की संभावना देता है, जिससे महंगाई को मात देने वाली आय की क्षमता खुलती है। ग्राहक गारंटीड एन्युटी और मार्केट-लिंक्ड कंपोनेंट्स के बीच दो प्रीमियम एलोकेशन ऑप्शन, 60:40 या 50:50 में से चुन सकते हैं, और अपनी लाइफस्टाइल और कैश फ्लो की जरूरतों के हिसाब से अपनी पसंदीदा इनकम पे-आउट फ्रीक्वेंसी चुन सकते हैं, जैसे सालाना, छह महीने में, तिमाही या मासिक। यह सॉल्यूशन अगली पीढ़ी के लिए विरासत बनाने के लिए डेथ बेनिफिट भी देता है।

टाटा एआईए ने लॉन्च किया मल्टीकैप ऑपर्चुनिटीज फंड

मुंबई/पटना। वैश्विक अनिश्चितताओं और सेक्टरों के उतार-चढ़ाव भरे आज के दौर में, निवेशकों के लिए जोखिम और लाभ के बीच संतुलन बनाने वाली रणनीतियां अपनाना अनिवार्य हो गया है। इस जटिल वित्तीय परिदृश्य को समझने के लिए एक विविधीकृत दृष्टिकोण जरूरी है। विभिन्न क्षेत्रों, परिसंपत्ति वर्गों और कंपनियों के आकार में निवेश फैलाकर, निवेशक किसी एक बाजार खंड पर अपनी निर्भरता कम कर सकते हैं और लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण सुनिश्चित कर सकते हैं। भारत की विकास गाथा लगातार व्यापक होती जा रही है, जिसमें पारंपरिक उद्योगों और उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ-साथ लार्ज-कैप से लेकर होनहार मिड और स्मॉल-कैप कंपनियां तक शामिल हैं। एक मल्टीकैप रणनीति निवेशकों को जोखिम कम करते हुए इस विविध विकास का लाभ उठाने में सक्षम बनाती है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ऋषभायन 02 के उद्घाटन समारोह में भाग लिया और ऋषभायन पुस्तक का लोकार्पण किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। तीन दिवसीय भव्य आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन ऋषभायन 02 का शुभारंभ बोरीवली पश्चिम स्थित कोरा केंद्र में महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानवता के जनक और भारतीय सभ्यता के अग्रदूत भगवान ऋषभदेव को समर्पित इस कार्यक्रम में शामिल होना उनके लिए अत्यंत हर्ष का विषय है। अपने संबोधन में श्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि ऋषभायन भगवान ऋषभदेव द्वारा बताए गए जीवन मूल्यों को सुंदर रूप में प्रस्तुत करता है और भारतीय साहित्य, कला व संस्कृति की समृद्ध परंपराओं का गहन परिचय कराता है। उन्होंने कहा कि ऋषभायन पुस्तक का विमोचन अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें आधुनिक समाज के लिए भी शाश्वत मूल्य निहित हैं।

कार्यक्रम की शुरूआत जैन गच्छाधिपति पूज्य यशोवर्मसूरीजी महाराज के आशीर्वचन से हुई। इसके पश्चात मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने धर्म परिषद का उद्घाटन किया, जिसमें अनेक संतों और आध्यात्मिक गुरुओं ने राजा ऋषभदेव के जीवन, दर्शन और विचारों पर अपने विचार व्यक्त किए। इनमें विशेष रूप से पूज्य कोठारी श्री धमार्नंद स्वामी महाराज, डंडी स्वामी जितेंद्र सरस्वती महाराज, पूज्य महंत दयालपुरी महाराज, शांतिगिरि महाराज, गुरु माउली डिंडोरी सहित अनेक साधु-संत शामिल रहे।

इस अवसर पर विभिन्न धर्मों के पूजनीय संतों और आध्यात्मिक नेताओं की उपस्थिति रही, जिनमें आचार्य नयन पद्मसागर महाराज, आचार्य लोकेश मुनिजी महाराज, डंडी स्वामी परम पूज्य श्री जितेंद्र आनंद सरस्वतीजी, सिख संप्रदाय से पूज्य ज्ञानी श्री रामसिंहजी राठौड़ (गुजरात प्रभारी), संत शिरोमणि श्री दिव्य प्रकाश दास जी, पीठाधीश्वर अवधूत बाबा अरुण गिरीजी महाराज, महामंडलेश्वर श्री राजेंद्र नामगिरीजी महाराज, पंढरपुर के स्वामी देवव्रत जी, स्वामी भारतानंद जी, परम पूजनीय स्वरूपान जी, स्वामीनारायण संप्रदाय के संत श्री कोठारी स्वामी जी, बोधिसत्व संत महाराज तथा अनेक अन्य संत उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने सभी संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया और जैन आचार्य श्री यशोवर्मसूरीश्वरजी महाराज तथा आचार्य भगवंत श्री नयन पद्मसागर जी द्वारा उनका सत्कार किया गया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र सरकार के मंत्री श्री मंगल प्रभात लोढ़ा, स्थानीय विधायक श्री संजय उपाध्याय, दहिसर की विधायक श्रीमती मनीषा ताई चौधरी, श्री गोपाल शेट्टी सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। इस भव्य आयोजन को लब्धि विक्रम जनसेवा ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी श्री किरीटभाई दोशी, श्री प्रवीणभाई जैन और श्री कृष्णा राणा ने साकार रूप दिया। मल्टीग्राफिक्स के श्री मुकेशभाई जैन तथा समाजसेवक श्री सुनील लोढ़ा का भी विशेष योगदान रहा। परिषद को जैन तत्त्वचिंतक श्री कुमारपालभाई देसाई, डॉ. सरयू दोशी, प्रसिद्ध पुरातत्वविद डॉ. अरविंद जामखेड़कर और डॉ. सेजल शाह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस आयोजन को श्री मुंबई जैन संघ संगठन एवं देशभर के अनेक जैन संघों का सहयोग प्राप्त हुआ। मुंबई जैन संघ संगठन के तत्वावधान में मुंबई, नवी मुंबई, राळपट्टी सहित विभिन्न संघों के प्रतिनिधियों के करकमलों द्वारा 1,111 ग्रंथों का ऐतिहासिक लोकार्पण किया गया।

एन. के. ई. एस प्राथमिक स्कूल में स्पोर्ट्स डे मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वडाला स्थित एन. के. ई. एस प्राथमिक स्कूल में 19 दिसम्बर को स्पोर्ट्स डे मनाया गया। इस अवसर पर प्राथमिक विभाग के विद्यार्थियों ने कई प्रकार के कार्यक्रमों का प्रदर्शन कर अभिभावकों का मन मोह लिया। शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने इन्दुलाल गार्डन के मैदान में अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य भवानी भार्गव मैडम, श्रीमती पद्मजा बनवासी तथा माध्यमिक विभाग की मुख्याध्यापिका श्रीमती नितिना शुक्ला उपस्थित रही। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा क्रीड़ा ज्योत प्रज्वलित कर अलग-अलग कवायद पेश किया। प्राथमिक विभाग की मुख्याध्यापिका श्रीमती माधवी जोशी ने अतिथियों का स्वागत किया और उनकी उपस्थिति के लिए आभार प्रकट किया। स्पोर्ट्स डे में रनिंग, रिले रेस और विद्यार्थियों के उत्साह देख कर अभिभावकों और अतिथियों में काफी उत्साहित रहा और विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाने के लिए मैदान में उपस्थित थे। विद्यार्थियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया।

भिवंडी मनपा द्वारा आम चुनाव को लेकर मनपा आयुक्त और चुनाव अधिकारियों की बैठक संपन्न

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी(उत्तरशक्ति)। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका चुनाव 2025-26 को लेकर मनपा आयुक्त और चुनाव अधिकारियों ने एक बैठक किया जिसमें सहायक चुनाव अधिकारी, पुलिस अधिकारियों और मनपा अधिकारियों की मीटिंग ली। इस मीटिंग में चुनाव के सिलसिले में किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला गया। पोलिंग बूथ पर दी जाने वाली सुविधाओं के साथ-साथ चुनाव आफिस के लिए स्टाफ, सामान वगैरह का विवरण किया गया। मनपा आयुक्त ने मतदान केन्द्रों की सूची के साथ-साथ पोलिंग बूथ के हिसाब से मतदाता सूची बनाने के निर्देश दिए। साथ ही पोलिंग बूथ पर बुर्का पहनी महिला वोटरों की पहचान करने के लिए महिला कर्मचारियों को रखने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों ने उनके जरिए की गई कार्रवाई की जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि कल तक मनपा के प्रभाग अधिकारियों ने सभी राजनीतिक पार्टियों के पोस्टर और होर्डिंग हटा देंगे और उसके बाद भी अगर बैनर और होर्डिंग मिले तो केस दर्ज किया जाएगें। उन्होंने आचार संहिता के दौरान आचार संहिता का उल्लंघन होने पर मामला दर्ज करने के भी निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि एसएसटी पथक तुरंत शुरू की जाए और वहां सीसीटीवी लगाए जाएं। उपविभागीय अधिकारी अमित सानप ने कर्मचारी प्रशिक्षण, वोटिंग मशीनों की जांच के बारे में जानकारी दी। आयुक्त ने चुनाव निर्णय अधिकारियों को वाहन उपलब्ध कराने के साथ ही आवास व्यवस्था की समीक्षा की। इस बैठक में अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके, अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाने, उप जिला कलेक्टर (रोह्यो) ठाणे शशिकांत गायकवाड़, उप जिला अधिकारी (रोह्यो) रत्नागिरी हर्षलता गेडाम, उप-विभागीय अधिकारी भिवंडी अमित सानप, उप जिलाधिकारी (भूमि अधिग्रहण), जिलाधिकारी मुंबई शहर महेश हरिश्चंद्र, पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे, उप तहसीलदार (राजस्व) तहसील कार्यालय शहापुर दत्तात्रेय बांबले, तहसीलदार विक्रमगढ़, जिला पालघर मयूर चव्हाण आदि अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर नायब तहसीलदार (रेवेन्यू), भिवंडी आदेश म्हात्रे, नायब तहसीलदार भिवंडी चंद्रकांत राजपूत, उपायुक्त (चुनाव) विक्रम दराडे, उपायुक्त (कर) बालकृष्ण क्षीरसागर आदि के साथ मनपा के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

सिद्धार्थ एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन देगी ऑन-कैंपस इनोवेशन को बढ़ावा

मुंबई। कर्नाटक की डीम्ड-टू-बी-यूनिवर्सिटी श्री सिद्धार्थ एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन ने आज upGrad स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी - एक नेक्स्ट-जेनरेशन लर्निंग एनवायरनमेंट - के साथ एक स्ट्रेटेजिक कोलैबोरेशन की घोषणा की है, ताकि यूनिवर्सिटी के मौजूदा इंजीनियरिंग प्रोग्राम्स में एक इंडस्ट्री-अलाइन्ड स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी को शामिल किया जा सके।

सीईओ विश्व मोहन और चीफ रेवेन्यू और आउटकम ऑफिसर मेहुल खंडेदिया के नेतृत्व में, upGrad स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर एकेडमिक और करिकुलम एडवाइजरी सपोर्ट देगा, साथ ही मौजूदा प्रोग्राम्स में गहरे इंडस्ट्री इंटीग्रेशन को भी संभव बनाएगा। इसमें रिसर्च एक्सपोजर, बिल्ड स्प्रिंट और पहले दिन से लगातार स्पेशलाइजेशन शामिल हैं, जिन्हें अक-फर्स्ट लर्निंग टेक्नोलॉजी का सपोर्ट मिला है जो पर्सनलाइज्ड लर्निंग पाथवे, रियल-टाइम स्किल प्रोग्रेस ट्रैकिंग और एकेडमिक सपोर्ट देती हैं। इसके लिए यूनिवर्सिटी के मौजूदा इंजीनियरिंग फ्रेमवर्क को मजबूत किया जाएगा और स्टूडेंट्स को क्वांटम कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स और फुल स्टैक इंजीनियरिंग जैसे उभरते फील्ड्स में बेहतर, प्रैक्टिशनर-लेड मॉड्यूल दिए जाएंगे। स्टूडेंट्स को बड़े पैमाने पर कोडिंग प्रैक्टिस, प्रोजेक्ट-बेस्ड लर्निंग और इंडस्ट्री से जुड़े स्ट्रक्चर्ड मौकों में शामिल किया जाएगा, जो टेक रोल्स और प्रोडक्ट-थिंकिंग का शुरूआती अनुभव देंगे।

यूनिवर्सिटी, अपने चांसलर और कर्नाटक के होम मिनिस्टर डॉ. जी. परमेश्वर के नेतृत्व में, ग्लोबल-स्टैंडर्ड टेक्नोलॉजी डिसिप्लिन, रिसर्च एक्सपोजर और एंटरप्रेन्योरियल स्किल डेवलपमेंट के साथ अपने इंजीनियरिंग करिकुलम को मजबूत करने के लिए इस पहल को आगे बढ़ा रही है। लॉन्च अवसर पर उन्होंने कहा, ₹यह सहयोग SSAHE के लिए एक परिवर्तनकारी क्षण का प्रतीक है क्योंकि हम अपने परिसरों में वैश्विक शिक्षा और विश्व स्तरीय प्रौद्योगिकी शिक्षा ला रहे हैं।

ओबेन इलेक्ट्रिक ने प्री-सीरीज बी राउंड में 85 करोड़ रुपये जुटाए

मुंबई। भारत की घरेलू और रिसर्च-बेस्ड इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल कंपनी ओबेन इलेक्ट्रिक ने प्री-सीरीज बी फंडिंग में 85 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इस फंडिंग राउंड में राज के. सोइन, मूसा डाकरी, रमेश भूटड़ा जैसे जाने-माने इंडियन-अमेरिकन फैमिली ऑफिस के साथ कंपनी के पुराने निवेशकों ने भी निवेश किया है। यह निवेश ओबेन इलेक्ट्रिक की सोच, मजबूत तकनीक, बढ़ते कारोबार और ग्राहकों के भरोसे को दिखाता है, जिसका साफ सबूत पिछले 12 महीनों में कंपनी की कमाई का 10 गुना बढ़ना है। यह निवेश ऐसे अहम समय पर आया है, जब कंपनी वित्त वर्ष 2026 तक 100 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल करने की ओर बढ़ रही है और मार्च 2026 तक अपनी लागत को ब्रेक-ईवन पर लाने का लक्ष्य रखती है, जो उसकी मजबूत ऑपरेशनल योजना को दिखाता है। ओबेन इलेक्ट्रिक का लक्ष्य 2027 तक EBITDA ब्रेक-ईवन हासिल करना है। इसके साथ ही कंपनी मार्च 2026 तक 150 एक्सक्लूसिव शोरूम और सर्विस सेंटर खोलने की योजना बना रही है और अगले दो साल में यह संख्या 500 शोरूम तक पहुंचाने का इरादा है। कस्टमर्स से मिल रहे अच्छे रिस्पॉन्स और डीलरों की मजबूत रुचि के चलते कंपनी को डीलरशिप पर पूरा भरोसा मिल रहा है, जिसका सबूत हाई क्वालिटी वाले नए आवेदन और मुनाफे में आने के बाद मौजूदा डीलरों की दोबारा दिलचस्पी से साफ नजर आता है। यह नई पूंजी ओबेन इलेक्ट्रिक के अगले विकास चरण को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। इसके जरिए कंपनी अपने डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को तेजी से बढ़ाएगी और ब्रांड की पहचान को मजबूत करेगी। साथ ही, इस फंड का इस्तेमाल नए प्रोडक्ट्स के विकास और उनके लॉन्च को तेज करने के लिए भी किया जाएगा। ओबेन इलेक्ट्रिक अपनी मजबूत वर्टिकल इंटीग्रेशन पर आधारित रणनीति के तहत लगातार प्रोडक्ट डिजाइन को बेहतर बना रही है, ताकि लागत कम हो, उत्पादन ज्यादा कुशल हो और मैन्युफैक्चरिंग लंबे समय तक टिकाऊ बनी रहे। साल 2025 में कंपनी ने अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर भी अपनी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलें बेचना शुरू किया, जिससे कस्टमर्स के लिए खरीदना आसान हुआ और ऑनलाइन-ऑफलाइन दोनों जगह अच्छी मांग देखने को मिली।

भारतीय वाल्मीकि आदि धर्म समाज की केंद्रीय कमेटी का चुनाव संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। भारतीय वाल्मीकि आदि धर्म समाज (रजि.) भारत की केंद्रीय कमेटी का चुनाव पूरी तरह लोकतांत्रिक, पारदर्शी एवं सर्वसम्मति से संपन्न हो गया। चुनाव प्रक्रिया सहारनपुर रेलवे स्टेशन स्थित भगवान वाल्मीकि मंदिर परिसर में आयोजित की गई, जिसमें देशभर से आए प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। चुनाव उपरांत जब नवनिर्वाचित पदाधिकारी मेरठ पहुंचे तो संगठन के रजिस्टर्ड कार्यालय पर उनका ढोल-ताशों के साथ भव्य स्वागत किया गया। कार्यालय प्रमुख लोकेश टंडन, रजिस्टर्ड कार्यालय अध्यक्ष एवं नवनिर्वाचित सहायक मुख्य संचालक वीर श्रेष्ठ महेश टाँक तथा नवनिर्वाचित राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री गुलशन पार्चा का विजय तिलक कर अभिनंदन किया गया। इस दौरान महानगर अध्यक्ष कुलदीप मनोठिया सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चुनाव में अमृतसर निवासी रत्न हंस को मुख्य संचालक, मेरठ निवासी महेश टाँक को सहायक मुख्य संचालक, हरियाणा निवासी बलबीर सूद को महामंत्री तथा उत्तराखंड निवासी सुधीर झंझट को संयुक्त मंत्री एवं उत्तराखंड प्रभारी चुना गया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी में लुधियाना के विजय दिसावर को राष्ट्रीय संचालक, मेरठ के मुकेश पार्चा को राष्ट्रीय निर्देशक, सहारनपुर के मनमोहन सूद, पंजाब के जितेंद्र बाली एवं मेरठ के गुलशन पार्चा को राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री नियुक्त किया गया। पंजाब के के.पी. दानव को मुख्य प्रचार मंत्री, हरियाणा के मास्टर बलदीप मचल को राष्ट्रीय प्रचार मंत्री, रिंकू गागट को हरियाणा प्रभारी तथा संदीप बागड़ी को राष्ट्रीय आईटी प्रभारी बनाया गया। इसके अतिरिक्त गुलाब कल्याण, नायक सिंह एवं विश्वास कांगड़ा को राष्ट्रीय सदस्य के रूप में शामिल किया गया। चुनाव प्रक्रिया संतजन अमर ऋषि, लक्ष्य ऋषि, रजिस्टर्ड कार्यालय प्रभारी एवं प्रदेश अध्यक्ष लोकेश टंडन सहित समस्त केंद्रीय पदाधिकारियों की सर्वसम्मति से संपन्न हुई।

बतादें कि संगठन की पिछली केंद्रीय कमेटी का कार्यकाल 2 जुलाई 2025 को पूर्ण हो चुका था। इसके बाद कई बार चुनाव की घोषणा हुई, लेकिन कुछ पदाधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। अंततः प्रभु रत्नाकर जी महाराज द्वारा मान्यता प्राप्त रजिस्टर्ड कार्यालय ने चुनाव प्रक्रिया को अपने नियंत्रण में लेते हुए स्पष्ट किया था कि चुनाव में भाग न लेने वाले पदाधिकारियों को आपत्ति का अधिकार नहीं होगा और आवश्यकता पड़ने पर उनकी सदस्यता समाप्त की जा सकती है।इस दौरान आदि धर्म परंपरा के मुख्य संचालक जसवीर लवण ने अपनी पूरी टीम के साथ भारतीय वाल्मीकि आदि धर्म समाज में विधिवत विलय किया और प्रभु रत्नाकर जी महाराज की विचारधारा पर जीवनभर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पंजाब प्रभारी वरियम सिंह, सहारनपुर के बृजमोहन सूद प्रधान, अमृतसर से शेरा सिंह, मेरठ से मुकेश निमोही, नरेश कल्याण, हरिद्वार से विनोद कुमार, अमरीश चौटाला, मनोज जेहरा, रवि तेश्वर सहित बड़ी संख्या में आदि धर्म समाज के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। चुनाव के बाद संगठन में नई ऊर्जा का संचार हुआ है और समाजहित के कार्यों को और अधिक गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

ठाणे ज़िले की छह महानगरपालिकाओं के लिए शिवसेना से 3348 इच्छुक

कल्याण। शिवसेना का गढ़ माने जाने वाले ठाणे ज़िले की छह महानगरपालिकाओं के चुनावों में शिवसेना से उम्मीदवारी पाने के लिए 3348 इच्छुकों ने साक्षात्कार के आवेदन भरे हैं। इनमें 1548 महिलाओं ने उम्मीदवारी के लिए आवेदन किया है। ठाणे ज़िले की महानगरपालिकाओं के इच्छुकों के साक्षात्कार का कार्यक्रम शनिवार से शुरू हो रहा है। महानगरपालिकाओं में सदस्य संख्या के चार से पाँच गुना अधिक इच्छुक होने के कारण उम्मीदवारों की कड़ी परीक्षा होने वाली है।

उम्मीदवारी पाने के लिए महिलाओं की भी बड़ी भागीदारी, 1548 महिलाओं के आवेदन

महानगरपालिका चुनाव की घोषणा के बाद शिवसेना की ओर से इच्छुकों के साक्षात्कार की प्रक्रिया शुरू की गई है। ठाणे ज़िले में उल्हासनगर, कल्याण-डोंबिवली, ठाणे, नवी मुंबई, भिवंडी-निजामपुर और मीरा-भाईंदर–इन छह महानगरपालिकाओं का समावेश है। पिछले चार दिनों में इन छह महानगरपालिकाओं की कुल 618 सदस्य पदों के लिए शिवसेना पार्टी कार्यालय में 3348 इच्छुकों ने साक्षात्कार के आवेदन जमा किए हैं, यह जानकारी सांसद नरेश म्हस्के ने दी। मुंबई महानगरपालिका की तरह ही ठाणे ज़िले की सभी महानगरपालिकाओं में उम्मीदवारी के लिए इच्छुकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, ऐसा भी सांसद म्हस्के ने कहा।सांसद म्हस्के ने बताया कि ठाणे महानगरपालिका में 131 सदस्य हैं और पार्टी कार्यालय में 1277 इच्छुकों ने आवेदन जमा किए हैं। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका की सदस्य संख्या 112 है, जिसके लिए 682 इच्छुकों के आवेदन प्राप्त हुए हैं। उल्हासनगर महानगरपालिका की सदस्य संख्या 78 है और इसके लिए शिवसेना को 385 इच्छुकों के आवेदन मिले हैं। नवी मुंबई महानगरपालिका में 111 सदस्य हैं और कुल 496 इच्छुकों ने आवेदन जमा किए हैं। नवी मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए इच्छुकों के साक्षात्कार शनिवार को वाशी में होंगे, ऐसा सांसद म्हस्के ने कहा। भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका में 90 सीटें हैं, जिनके लिए 176 इच्छुकों ने आवेदन जमा किए हैं। 96 सदस्य संख्या वाली मीरा-भाईंदर महानगरपालिका के चुनाव में शिवसेना से उम्मीदवारी पाने के लिए 332 इच्छुकों ने आवेदन किया है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

थाना शाहगंज पुलिस की त्वरित कार्रवाई, मदरहा चौराहे से दबोचा गया आरोपी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने के मामले में थाना शाहगंज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को मदरहा चौराहे से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता द्वारा दिनांक 18 दिसंबर 2025 को थाना शाहगंज में प्रार्थना पत्र दिया गया था। प्रार्थना पत्र के आधार पर पुलिस ने मु0अ0सं0 416/2025 धारा 69 भारतीय न्याय संहिता 2023 के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया था। मामले की विवेचना के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई, जिसके आधार पर दिनांक 19 दिसंबर 2025 को उ0नि0 राम विलास द्वारा हमराह पुलिस टीम के साथ कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी नीरज कुमार पुत्र पन्नालाल, निवासी अरगूपुर कला, थाना शाहगंज, जनपद जौनपुर को मदरहा चौराहे से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

बरसठी में घर की दीवार तोड़ने, मारपीट व जान से मारने की धमकी का आरोप

दिनेश विश्वकर्मा

बरसठी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बरसठी क्षेत्र के जयरामपुर गांव में दबंगों द्वारा एक व्यक्ति के आवासीय निर्माण को क्षतिग्रस्त करने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले की शिकायत थाने में देकर कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम जयरामपुर निवासी संजय कुमार पुत्र अशोक कुमार का आरोप है कि उसके आवासीय आवंटन में बना घर तथा पीछे की ओर बनी दीवार को गांव के ही दबंग व्यक्तियों ने तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना 17 दिसंबर 2025 की शाम करीब 5:30 बजे की बताई जा रही है।

पीड़ित के अनुसार जब उसके चचेरे भाई सचिन ने इस कृत्य का विरोध किया तो आरोपितों ने उसके साथ मारपीट, गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। इस घटना के बाद से पीड़ित परिवार भय और दहशत के माहौल में रहने को मजबूर है।

पीड़ित ने आरोप लगाया है कि इस घटना में घनश्याम प्रकाश उर्फ पप्पू, कमलेश कुमार, राजेश कुमार एवं मदनेश कुमार शामिल हैं। पीड़ित ने थाना बरसठी में प्रार्थना पत्र देकर आरोपितों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा जांच के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मीडिया में तकनीक से अधिक भाषा का है महत्व: प्रो.गोविंद

मीडिया की तकनीकी एवं लेखन विषय पर विशेष व्याख्यान का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में मीडिया की तकनीक एवं लेखन विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के जनसंचार विभागाध्यक्ष प्रोफेसर गोविंद जी पांडे ने कहा कि मीडिया में तकनीकी से ज्यादा भाषा का महत्व है। सबसे पहले अपनी भाषा पर गंभीरता से कार्य करना होगा। प्रो.पांडे ने कहा कि भाषा मूलतः शब्दों से बनती है और शब्दों का निर्माण मानवीय भावों से होता है। जब ये भाव प्रवाहित होकर भावना का रूप ले लेते हैं, तब वे मूर्त अभिव्यक्ति प्राप्त करते

हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इन अमूर्त शब्दों को समाज के सामने जीवंत और साकार रूप में प्रस्तुत करना पत्रकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा कि मीडिया में तकनीक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है, इसलिए तकनीकी ज्ञान के माध्यम से स्वयं को निरंतर अपडेट करना आवश्यक है। उन्होंने स्टूडियो में लाइट, कैमरा और प्रस्तुति के महत्व पर भी विस्तार से अपने विचार रखे। जनसंचार विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मनोज मिश्रा ने स्वागत एवं डॉ.सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर डॉ.दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ.चंदन सिंह, डॉ. अमित मिश्र, डॉ.सुरेंद्र कुमार, अर्पित, पंकज सिंह सहित विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रोहनिया विधायक ने 40 लाख के लागत की इंटरलॉकिंग सड़क का किया लोकार्पण

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया विधानसभा रोहनिया क्षेत्र में विकास की कड़ी को गति प्रदान करते हुए गुरुवार को बिशोखर गांव में रोहनिया विधायक डॉ.सुनील पटेल ने खनाव अखरी बाईपास स्थित प्रधान ढाबा से मानव धर्म मंदिर तक लगभग 40 लाख रुपए के लागत की 600 मीटर लंबी इंटरलॉकिंग सड़क कार्य का लोकार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान विधायक डॉक्टर सुनील पटेल ने ब्राह्मण द्वारा विधिवत मंत्र उच्चारण व हवन पूजन के साथ नारियल तोड़ने के उपरांत शीलापट्ट का अनावरण किया। इस अवसर पर विधायक डॉक्टर सुनील पटेल ने केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं तथा विकास कार्यों के बारे में विस्तार पूर्वक वर्णन करते हुए

कहा कि रोहनिया विधानसभा क्षेत्र का विकास ही हमारा मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान पारस यादव ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से डॉ.नरेंद्र पटेल क्षेत्रीय अध्यक्ष वाराणसी परिक्षेत्र, डॉ.महेंद्र सिंह पटेल ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि, अजीत पटेल राष्ट्रीय सचिव, ग्राम प्रधान पारस यादव,अमित पटेल प्रधान, ओम प्रकाश सिंह, बसंत लाल पटेल, डॉ प्रेम, राजकुमार वर्मा, मुकेश पटेल, सुनील पटेल, श्यामबली पटेल, चंद्रशेखर, सहायक अभियंता संजय गुप्ता, अवरअभियंता संजय तिवारी, सूर्यकांत तिवारी कॉन्टैक्टर अमित तिवारी, योगेश तिवारी एवं प्रियांशु सिंह इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

प्रियंका चौहान के गीतों पर मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

◆ पर्यावरण संरक्षण पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। पर्यावरण संरक्षण, सदियों पुराने पेड़ों के संरक्षण को लेकर भावाअशिप पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र प्रयागराज व्यापक मुहिम चलाएगा। इसको लेकर पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण तटस्थता विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

वहीं सांस्कृतिक संध्या में दूरदर्शन व आकाशवाणी की गायिका प्रियंका चौहान ने मधुर गीतों से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रियंका ने 'एक प्यार का नगमा है.., तुमको देखा तो ये ख्याल आया.., झुकी-झुकी सी नजर.., रेलिया बैरन पिया को लिए जाए रे ..' जैसे गीतों से सुरीली बयार बहाई तो मंत्रमुग्ध श्रोता उसमें घंटों गोता लगाते रहे। प्रियंका का साथ आरोही सिंह ने दिया। सुविख्यात अकादमी कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने प्रियंका चौहान के गीतों की प्रशंसा की और कहा प्रियंका ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

इसके पहले मुख्य अतिथि वन संरक्षक तुलसीदास शर्मा ने भूमि क्षरण सुधार के लिए उचित वृक्ष प्रजातियों के चयन द्वारा पौधारोपण से कृषि वानिकी को बढ़ावा देने पर बल दिया। केन्द्र प्रमुख डा.संजय सिंह ने बताया कि दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखण्ड तथा उत्तर प्रदेश के विभिन्न विभागों के 25 से ऊपर प्रशिक्षण प्रतिभागी हैं । वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. मनीष कुमार सिंह ने भूमि प्रबंधन तकनीक एवं भूमि क्षरण सुधार में केंद्र की भूमिका से अवगत कराया। समन्वयक आलोक यादव ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूप रेखा से अवगत कराया। संचालन सचिव अनुभा श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम की सह समन्वयक डा. अनीता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.मनीष कुमार सिंह, डा.सुधीर कुमार सिंह, डा.पंकज श्रीवास्तव, डा.पीसी अभिलाष, डा.दीपक लाल, डा.अश्विनी कुमार, डा.उमेश कुमार आदि ने विचार व्यक्त किए।

शिफा मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल
मानीकलॉ, जौनपुर
निःशुल्क मेगा कैम्प
(डायबटीज एवं हड्डी रोग)
23 दिसम्बर 2025, दिन मंगलवार, प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक
Dr. MOHD CHAND BAGWAN
MBBS, DNB (MD)
PDCC-CRITICAL CARE MEDICINE
CCEBDM (DIABETES)
डायबटीज, चेस्ट एवं हृदय रोग विशेषज्ञ
Dr. ABU FAISAL
MBBS, D. Ortho (Lko), DNB (Ortho)
PGDS (Orthopedic) Surgeon
गोल्ड मेडलिस्ट
(हड्डी, जोड़ एवं नस रोग विशेषज्ञ)
मो0 नं0 7380850571 पर सम्पर्क कर एक दिन पहले रजिस्ट्रेशन करायें और इस अवसर का लाभ उठाएं।
डा0 मोहम्मद अकमल
(डायरेक्टर)
शिफा हास्पिटल, मानीकलॉ, जौनपुर-9451610571
अन्य ब्लड जाँच पर 50% डिस्काउन्ट

OPD Fee	Free
Cholesterol	150/-
HbA1C	700/-
BMD	1500/-
PFT(Asthma)	1500/-
TSH	250/-
Sugar	50/-
Diet Councelling	200/-
Neuropathy	1000/-
Uric Acid	100/-
RA	150/-
TOTAL AMOUNT	5600/- Free

बदलापुर पुलिस ने सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बदलापुर पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। प्रभारी निरीक्षक शेष कुमार शुक्ला द्वारा मय हमराही कर्मचारीगण के देखभाल क्षेत्र, वाँछित आरोपी की गिरफ्तारी हेतु हाईवे पर सिंगरामऊ बार्डर पर मामूर थे की सूचना मुखबिर खास द्वारा प्राप्त हुयी। जिसके क्रम में ग्राम फत्तूपुर से थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 274/25 धारा 196(1) /352 बीएनएस व 67 आईटी एक्ट के वाँछित आरोपी राजनाथ यादव पुत्र स्व0 भगौतीदीन यादव निवासी ग्राम फत्तूपुर थाना बदलापुर जौनपुर को कारण गिरफ्तारी बताते हुए को गिरफ्तार किया गया। जिसके जामा तलाशी से घटना में प्रयुक्त एक इस्तेमाली एण्ड्रायड मोबाइल बरामद किया गया। अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मडियाहूँ पुलिस ने गुम हुए पांच मोबाइल बरामद किए

सीईआईआर पोर्टल से मिली शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई, मोबाइल धारकों को लौटाए गए फोन

मडियाहूँ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना मडियाहूँ पुलिस ने ऑनलाइन सीईआईआर पोर्टल (www.ceir.gov.in) पर दर्ज शिकायतों के आधार पर गुम हुए पांच मोबाइल फोन बरामद कर संबंधित धारकों को सुपुर्द किया।

यह कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक मडियाहूँ अमित कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई। पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों से नियमानुसार पांच मोबाइल फोन बरामद किए। बरामद फोन क्रमशः वीवो, टेक्नो, ओप्पो, पोको एम3 प्रो और सैमसंग कंपनी के हैं। पुलिस ने बुधवार को इन्हें संबंधित मोबाइल धारकों अक्षय कुमार (रामपुर नद्दी), शनी कुमार (सुभाषपुर), रोहित कुमार (देवापार), अभिषेक यादव (औरैला) और सूरज यादव (मझगांव भौरास) को सौंप दिया। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई सीईआईआर पोर्टल की मदद से तेजी से की गई और मोबाइल धारकों को राहत मिली। इस सफलता में प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार सिंह के नेतृत्व में वरिष्ठ उप निरीक्षक रमेश कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर विनोद कुमार और कांस्टेबल बाल्मीकि विश्वकर्मा की टीम शामिल रही।

तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का हुआ समापन

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। धमार्पुर बिकास खण्ड के मनिहांगोविंदपुर स्तिथ बीडी इंटर कॉलेज में चल रहे तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का समापन शुक्रवार को हुआ जिसमें बच्चों ने दौड़, लंबी कूद, ऊची कूद, कबड्डी, गोला फेक में बच्चो ने प्रतिभाग किया लम्बी कूद जूनियर वर्ग में कक्षा आठवी के नूर आलम सीनियर वर्ग में कक्षा दसवीं के मोहम्मद साजिद अव्वल रहे वही दौड़ में जूनियर वर्ग में 100 मीटर में कक्षा चार के पीयूष और सीनियर वर्ग में दीपांशु यादव दसवीं के और दो सौ मीटर में जूनियर

वर्ग के नूर आलम और सीनियर वर्ग में पवन गिरी और 400 मीटर दौड़ में बालिका वर्ग में मुस्कान पाल और बालक वर्ग में पवन गिरी अव्वल रहे वही कबड्डी बालक में कक्षा इग्यारहवी की टीम और बालिका वर्ग में बारहवीं की टीम विजेता रही प्रधानाचार्य अजय सिंह ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित किया कहा खेल आपसी प्रेम को बढ़ावा देता है और हममे नई ऊर्जा का संचार करता है रेफरी की भूमिका मे विजय शंकर यादव और अजय सिंह राठौर रहे संचालन राधेश्याम ने किया इस अवसर पर अभिषेक राय सुभाष चंद्र सत्य प्रकाश सिंह, बृजनाथ यादव, संतोष यादव, सत्यप्रकाश सिंह, अखिलेश दुबे, रामफेर पाल, सोनू सिंह, जुगनू सिंह गुड्डू राजभर आदि मौजूद है।

जौनपुर में सुशासन सप्ताह की किया भव्य शुरूआत

जिलाधिकारी ने दी सेवाओं और शिकायत निस्तारण की सख्त हिदायत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केंद्र सरकार के निदेर्शानुसार 19 से 25 दिसंबर तक जनपद में ह्यसुशासन सप्ताहह्ल का आयोजन किया जा रहा है। इसका शुभारंभ आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया, जिसमें शासन की ओर से सभी विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने बताया कि सुशासन सप्ताह के दौरान जनपद, तहसील और विकासखण्ड स्तर पर आम जनता को दी जाने वाली सेवाओं तथा जनशिकायतों के निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत स्तर पर चौपालों का आयोजन कर जनता की समस्याएं सुनी जाएँ और उनका समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। डॉ. दिनेश चन्द्र ने कहा कि विभिन्न विभागों द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं जैसे आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, पेंशन, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, खतौनी, भूमि विवाद निस्तारण, आयुष्मान कार्ड आदि के मामलों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएगा। साथ ही आईजीआरएस पोर्टल और अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों का भी त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि लंबे समय से लंबित प्रकरणों को चिन्हित कर प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाएगा। सुशासन सप्ताह के दौरान किसी भी विभाग द्वारा किये गए नवाचार या लंबित शिकायतों के निस्तारण की सफलता की कहानी फोटो एवं वीडियो सहित उपलब्ध कराई जाए, ताकि उसे शासन के पोर्टल पर अपलोड किया जा सके।

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को कड़ा निर्देश दिया कि शासन के निदेर्शों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि सुशासन सप्ताह के उद्देश्य पूरी तरह से साकार हो सकें।

यूरिया की कालाबाजारी पर सख्त एक्शन, टैगिंग और ओवररेटिंग पर होगी एफआईआर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रबी फसलों की बुवाई और सिंचाई के बाद टॉपड्रेसिंग के लिए यूरिया की मांग तेज हो गई है। इसी को देखते हुए जिला प्रशासन ने साफ चेतावनी जारी की है कि यूरिया उर्वरक के साथ किसी भी प्रकार की टैगिंग या अधिक मूल्य वसूली बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

थोक-फुटकर विक्रेता व कंपनी प्रतिनिधि भी नहीं बचेंगे, एनएसए तक की कार्रवाई

जिला कृषि अधिकारी ने 19 दिसंबर को बताया कि जिलाधिकारी के अनुसार जनपद में यूरिया उर्वरक की कोई कमी नहीं है। वर्तमान में कुल 22,361.00 मीट्रिक टन यूरिया वितरण के लिए उपलब्ध है। जनपद की सभी बी-पैक्स समितियों, क्रय-विक्रय समितियों, एग्री जंक्शन, आईएफएफडीसी कृषक सेवा केंद्रों तथा निजी बिक्री केंद्रों पर पीओएस मशीन के माध्यम से, जोत-बही के आधार पर यूरिया की बिक्री कराई जा रही है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई विक्रेता निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर यूरिया बेचता है, यूरिया के साथ जिंक सल्फेट, माइक्रो न्यूट्रिएंट, सल्फर, कीटनाशी आदि की जबरन टैगिंग करता है, या पीओएस मशीन से रसीद नहीं देता है तो ऐसे फुटकर या थोक उर्वरक विक्रेता के साथ-साथ संबंधित कंपनी प्रतिनिधि के विरुद्ध भी एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। साथ ही गंभीर मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत कार्रवाई की जाएगी।

जिला कृषि अधिकारी ने किसानों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी बिक्री केंद्र से पीओएस मशीन पर अंगूठा लगाकर, अपनी जोत-बही के अनुसार संस्तुत मात्रा में ही यूरिया खरीदें और रसीद अवश्य प्राप्त करें।

यदि किसी भी विक्रेता द्वारा मनमानी, ओवररेटिंग या टैगिंग की जाती है तो किसान इसकी शिकायत जिला कृषि अधिकारी कार्यालय, जौनपुर में स्थापित कंट्रोल रूम के दूरभाष संख्या 8419021250 पर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक दर्ज करा सकते हैं। प्रशासन ने दो टूक कहा है कि किसानों के हितों से खिलवाड़ करने वालों पर कड़ी कार्रवाई तय है।

मुंगराबादशाहपुर पुलिस ने सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े ट्रकों एवं भारी वाहनों को हटवाया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक, जनपद जौनपुर के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी मछलीशहर प्रतिमा वर्मा द्वारा थाना मुंगराबादशाहपुर क्षेत्र अंतर्गत सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया गया। दिनांक-19.12.2025 को प्रतिमा वर्मा क्षेत्राधिकारी मछलीशहर के नेतृत्व में मुंगराबादशाहपुर पुलिस टीम द्वारा सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े ट्रकों एवं भारी वाहनों को हटवाया गया तथा संबंधित वाहन स्वामियों/चालकों को सख्त चेतावनी देते हुए भविष्य में सड़क किनारे वाहन खड़ा न करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, कोहरे एवं रात्रि के समय वाहनों की दृश्यता बढ़ाने के उद्देश्य से ट्रकों एवं अन्य भारी वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगवाए गए, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। इस दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करने, वाहन में आवश्यक सुरक्षा उपकरण लगाए रखने तथा कोहरे में सावधानीपूर्वक वाहन चलाने के संबंध में जागरूक किया गया। पुलिस द्वारा चलाए गए इस अभियान का स्थानीय नागरिकों

एवं राहगीरों ने स्वागत किया।

जनपद जौनपुर पुलिस द्वारा आमजन की सुरक्षा एवं सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु इस प्रकार के यातायात एवं जागरूकता अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

डीएम ने रैन बसेरा का किया औचक निरीक्षण

रैन बसेरा में फैमिली और बच्चों के लिए अलग से रहने का व्यवस्था करें: सत्येन्द्र कुमार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। बढ़ती ठंड को देखते हुए जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने गुरुवार को देर रात सिकरौल, परमानंदपुर और पाण्डेयपुर चौराहा रैन बसेरा व अस्थायी रैन बसेरा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अलाव की स्थिति, रैन बसेरे की साफ-सफाई और वहां उपलब्ध सुविधाओं को परखा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि रैन बसेरों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं और यह ध्यान रखा जाए कि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति ठंड में बाहर न रहे।

जिलाधिकारी ने जनसामान्य से अपील की कि अगर कोई व्यक्ति ठंड

में परेशान हो, तो इसकी सूचना तुरंत प्रशासन को दें, ताकि समय पर सहायता पहुंचाई जा सके।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने रैन बसेरा में साफ-सफाई की व्यवस्था बेहतर ढंग से सुनिश्चित की जाने के साथ ही मच्छरों से बचाव के लिए एन्टी लार्वा का छिड़काव भी सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि रैन बसेरा में फैमिली और बच्चों के लिए एक अलग से रहने का व्यवस्था करें। इस दौरान नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग के छात्रों ने यूपी सीएसटी प्रोजेक्ट अनुदान में लहराया परचम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के 06 छात्रों को उत्तर प्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी(यूपी सीएसटी) इंजीनियरिंग छात्र प्रोजेक्ट अनुदान 2025-26 के अंतर्गत अनुदान प्राप्त हुआ।

अनुदान प्राप्त करने वाले छात्रों एवं उनके प्रोजेक्ट निर्देशक को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार ने बधाई दी है।

कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के निर्देशन में प्रोजेक्ट कार्य कर रहे छात्र विनीत त्रिपाठी, राजेश कुमार, उज्ज्वल द्विवेदी और शरीयत बुतूल तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षक डॉ. अजय कुमार मौर्य के निर्देशन में प्रोजेक्ट कर रहे छात्र प्रमन

चौरसिया और राजन को प्रोजेक्ट के लिए अनुदान प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. रवि प्रकाश ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि वे अपने प्रोजेक्ट कार्य के सभी प्रमुख उद्देश्यों को पूरा करें। उन्होंने सुझाव दिया कि छात्रों को ऐसा प्रोजेक्ट करना चाहिए जो कि हमारे समाज के लिए उपयोगी हो। साथ ही छात्रों को शोध के लिए प्रेरित करना भी आवश्यक है। इसके साथ ही संस्थान के छात्रों और अध्यापकों को शोध पत्रों के प्रकाशन के साथ-साथ पेटेंट प्रकाशन करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि शोध कार्य को संरक्षित किया जा सके।

विधायक रमेश मिश्रा ने की संतोष वर्मा के खिलाफ निंदा प्रस्ताव की मांग

जौनपुर। बदलापुर विधानसभा के भाजपा विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर ब्राह्मणों की बेटियों के विरुद्ध आपत्तिजनक बयान देने वाले मध्य प्रदेश के आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा के खिलाफ सदन में निंदा प्रस्ताव लाने की मांग की है। अध्यक्ष को लिखे पत्र में उन्होंने कहा है कि एक जिम्मेदारी अधिकारी का ब्राह्मणों की बेटियों को लेकर दिए गए बयान की जितनी भी निंदा की जाए कम है। यह पूरी तरह से समाज में जहर घोलने का काम है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की बुनियाद समानता की अवधारणा पर केंद्रित होती है और जातिवाद असमानता का भाव पैदा करता है। रमेश मिश्र ने संतोष वर्मा के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

विश्वकर्मा समाज के लिए हमेशा मजबूती से खड़ी रहूंगी : गीता विश्वकर्मा

मुंबई। युवा समाजसेवी मनोज आर. विश्वकर्मा, गायक राकेश विश्वकर्मा, एडवोकेट संतोष विश्वकर्मा, एडवोकेट संगीता विश्वकर्मा और समाज के अन्य लोगों ने उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य गीता विश्वकर्मा से मुलाकात कर समाज में हो रहे अन्याय और अत्याचार को लेकर सामाजिक विषयों पर चर्चा की। गीता विश्वकर्मा ने कहा कि मैं अपने समाज और गरीब दुखियों के लिए हमेशा मजबूती से खड़ी रहूंगी। बेटियों को न्याय दिलाने के लिए मैं सदैव तत्पर रहती हूं। उन्होंने समाज के लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों को उच्च शिक्षा प्रदान करें। शिक्षा ही एक ऐसा मंत्र है, जो समाज की दशा और दिशा दोनों बदल सकता है। शिक्षा के बिना आदमी कुछ नहीं कर सकता। इसलिए अपने बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा दें और 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' के सिद्धांत तथा कर्तव्य को आत्मसात करें।

नालासोपारा विधायक राजन नाईक के कार्यालय में हुआ पार्टी प्रवेश

वसई रोड। देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी विकास कार्यों से प्रभावित होकर तथा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के प्रोग्रेसिव महाराष्ट्र की संकल्पना पर विश्वास जताते हुए, नालासोपारा ईस्ट से बहुजन विकास अघाड़ी पार्टी के युवा पदाधिकारी पंकज गुप्ता अपने सहयोगियों के साथ आज आधिकारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। यह पार्टी प्रवेश समारोह भाजपा नालासोपारा विधायक राजन नाईक के कार्यालय में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भाजपा वसईझविरार जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञाताई पाटिल, पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, जिला महामंत्री मनोज बारोट एवं पंकज देशमुख उपस्थित रहे। विधायक राजन नाईक ने इस अवसर पर कहा कि बड़ी संख्या में युवाओं का भाजपा में शामिल होना यह दर्शाता है कि युवा वर्ग पार्टी की विकासोन्मुख नीतियों और सशक्त नेतृत्व पर विश्वास कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले दिनों में भारतीय जनता पार्टी वसईझविरार क्षेत्र में संगठन को और मजबूत करते हुए जनता की सेवा के लिए और अधिक सक्रियता से कार्य करेगी।

पेंशनर्स दिवस में वरिष्ठ पेंशनर्स को किया गया सम्मानित,14 प्रार्थना पत्रों का मौके पर हुआ त्वरित निस्तारण

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में शासन के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट सभागार में पेंशनर्स दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन द्वारा पेंशनर्स कक्ष का विधिवत भूमि पूजन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि वरिष्ठ पेंशनर्स को पहचान पत्र (आईडी कार्ड) जारी किए जाएं तथा सभी विभागाध्यक्ष अपने-अपने विभागों में पेंशनर्स सेल की स्थापना सुनिश्चित करें। उन्होंने वरिष्ठ कोषाधिकारी को निर्देशित किया कि पेंशनर्स की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु त्रैमासिक पेंशनर्स दिवस का नियमित आयोजन किया जाए, जिससे पेंशनर्स को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। कार्यक्रम के दौरान अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) शिव नारायण सिंह एवं वरिष्ठ कोषाधिकारी कामेश्वर प्रसाद पटेल द्वारा पेंशनर्स की समस्याओं की सुनवाई की गई। पेंशनर्स दिवस में कुल 14 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनका मौके पर ही अधिकारियों द्वारा त्वरित निस्तारण किया गया। इसके पश्चात पेंशनर्स दिवस में उपस्थित सभी पेंशनर्स को सम्मानित किया गया। विशेष रूप से 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ पेंशनर्स को शॉल भेंट कर सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ लेखाधिकारी (बेसिक) विवेक कुमार पाण्डेय, माध्यमिक लेखाधिकारी रमेश कुमार, एटीओ मनीष कुमार, तप्सीर अहमद, सुनील कुमार, गोविन्द बहादुर, चीफ कैशियर नकछेद राम, सेवानिवृत्त एटीओ राजू कनौजिया, आर.के. सिंह, हरिराम वर्मा, जगदीश मौर्य सहित अन्य स्टाफ एवं बड़ी संख्या में वरिष्ठ पेंशनर्स उपस्थित रहे।

स्नेहा दुबे पंडित के कार्यालय में ईसाई समुदाय के प्रमुख लोगों का भाजपा में प्रवेश

वसई रोड। विधायक पब्लिक रिलेशन्स ऑफिस, वसई वेस्ट में आज ईसाई समुदाय के कई जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सार्वजनिक रूप से भारतीय जनता पार्टी में प्रवेश किया। जागृति सेवा संस्था, वसईझचुलाने के पूर्व अध्यक्ष एवं ईसाई समुदाय के प्रमुख नेता थॉमस डाबरे अपने सहयोगियों के साथ विधायक स्नेहा दुबे पंडित के हाथों भाजपा में शामिल हुए। पार्टी में प्रवेश करने वालों में स्मिता लोपिस, क्लेरेंस डिसूजा, स्टैनल डिसूजा, डेनी डिसूजा, संदीप डिसूजा, इनास डिसूजा, रिचर्ड मिरांडा, रॉबर्ट डिकोस्टा सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थे। यह कार्यक्रम गुरुवार, 18 दिसंबर 2025 को विधायक पब्लिक रिलेशन्स ऑफिस, वसई वेस्ट में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सभी नवप्रवेशित सदस्यों ने भारतीय जनता पार्टी की विकासोन्मुख नीतियों में आस्था जताते हुए देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में वसई क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजू म्हात्रे, भारतीय जनता पार्टी वसईझविरार जिला कर्मचारी गठबंधन के जिला अध्यक्ष सिद्धेश तावड़े, सचिन परेरा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जौनपुर कार और बाइक की टक्कर एक की मौत दो गंभीर

रियाजुल हक

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रायबरेली जौनपुर हाइवे पर स्थित कोरमलपुर में वृहस्पतिवार देर रात बाइक से नगर स्थित पैथोलॉजी पर वापस लौट रहे पैथालॉजी संचालक की बाइक और कार में भिड़ंत हो गई। जिसमें पैथोलॉजी संचालक की ईलाज के दौरान मौत हो गई। सिकरारा थाना क्षेत्र के सैदपुर गांव सभा के चकमहिता मजरा निवासी राकेश यादव(46) पुत्र राजाराम यादव नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बगल अपनी पैथोलॉजी चलाते थे। यही पर किराया का कमरा लेकर परिवार के साथ निवास करते थे। वृहस्पतिवार को पैथोलॉजी बंद कर अपने 13 वर्षीय बेटे आर्यन के साथ गांव गए थे। गांव से देर रात लौटते समय पिता पुत्र जौनपुर रायबरेली हाईवे पर स्थित कोरमलपुर गांव के निकट पहुंचे थे कि सामने से आ रही एम जी हैक्टर कार से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर में राकेश के सिर में गंभीर चोट आई वही बेटा भी गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद अगल बगल के लोगो ने एंबुलेंस की सहायता से उन्हें सी एच सी भेजवाया। जहां चिकित्सक ने राकेश को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिले के एक निजी अस्पताल में आधी रात ईलाज के दौरान राकेश की मौत हो गई। वहीं अभी घायल पुत्र का इलाज चल रहा है। राकेश यादव का विवाह मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के देवरिया गांव में शशि यादव के साथ हुआ था। मृतक राकेश के दो पुत्र आर्यन और प्रिंस है। वहीं रोली, ज्योति, प्रिंसी, और रूबी चार बेटी है। पिछले वर्ष एक बड़ी बेटी का विवाह गांव से किया था। उनका छोटा भाई अखिलेश यादव मछलीशहर नगर में ही गैरेज चलाता है। राकेश की मौत की सूचना पर पूरे परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया है। राकेश के पिताजी राजाराम राम यादव गांव के ग्राम प्रधान भी रह चुके है। दूसरी घटना में विद्युत उपकेंद्र के पास हुई। कौरहा गांव निवासी लल्लू राम (47) बुलेरों के गेट से टकराकर घायल हो गए। उनका भी ईलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

जव्हार में प्रभावित परिवारों को मिलेगा न्यायोचित मुआवजा : डॉ. हेमंत विष्णु सावरा

पालघर। पालघर के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भेंट कर पालघर ज़िले से जुड़े कई गंभीर मुद्दों को उठाया। उन्होंने ज़िले में चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं से प्रभावित नागरिकों, किसानों और राहगीरों की समस्याओं पर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। डॉ. सावरा ने बताया कि पालघर ज़िले के जव्हार तालुका में एन एच-160ए के निर्माण के कारण लगभग 250 से 300 घर प्रभावित होने की संभावना है। इस संबंध में उन्होंने केंद्र सरकार से प्रभावित परिवारों के लिए न्यायसंगत, पारदर्शी और समयबद्ध मुआवजा, साथ ही पुनर्वास और पुनर्स्थापना की ठोस योजना लागू करने की मांग की।

उन्होंने यह भी कहा कि अधूरे पड़े कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए, सड़कों की बदहाल स्थिति सुधारी जाए, चौराहों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और प्रशासनिक अड़चनों को दूर किया जाए।

एन एच-48 पर फुट ओवरब्रिज की मांग

पालघर ज़िले के तलासरी तालुका में एन एच -48 पर होटल नीलगिरी और होटल सह्याद्री के सामने फुट ओवरब्रिज के निर्माण की मांग कई वर्षों से स्थानीय ग्राम पंचायत और नागरिक कर रहे हैं। इस क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रैफिक के कारण मजदूरों, विद्यार्थियों और वरिष्ठ नागरिकों को सड़क पार करते समय गंभीर जोखिम उठाना पड़ता है। यहां पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। डॉ. सावरा ने बताया कि NHAI, PIU-सूरत द्वारा 30 मई 2018 को आवश्यक निरीक्षण के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने मानव जीवन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तुरंत फुट ओवरब्रिज के निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया।

वडोदरा एक्सप्रेस हाईवे से किसानों की परेशानी पालघर लोकसभा क्षेत्र के नवसाई (भटाने) गांव के पास वडोदरा एक्सप्रेस हाईवे का कार्य तेजी से चल रहा है। गांव हाईवे के उत्तर दिशा में स्थित है, जबकि अधिकांश किसानों की खेत दक्षिण दिशा में हैं। हाईवे निर्माण के कारण किसानों का पारंपरिक रास्ता पूरी तरह बंद हो गया है, जिससे उन्हें पिछले और मौजूदा मानसून के दौरान खेतों तक पहुंचने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इस समस्या के संबंध में 3 दिसंबर 2024 को NHAI, ठाणे (पश्चिम) कार्यालय को सूचित किया गया था और वैकल्पिक सर्विस रोड बनाने का आश्वासन भी दिया गया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। डॉ. सावरा ने मांग की कि किसानों की सुविधा के लिए तुरंत वैकल्पिक सर्विस रोड का निर्माण शुरू किया जाए। डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने स्पष्ट किया कि मानव जीवन की सुरक्षा, किसानों की रोजी-रोटी और स्थानीय नागरिकों की दैनिक समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए ठळअक और संबंधित एजेंसियों को तत्काल निर्देश दिए जाने चाहिए।

हाउस ऑफ स्वामीराज' ने मुंबई में 700 करोड़ रुपये के प्रीमियम हाउसिंग प्रोजेक्ट के साथ अपने रेसिडेंशियल पोर्टफोलियो का किया विस्तार

मुंबई। मुंबई के रियल एस्टेट सेक्टर में एक मशहूर नाम 'हाउस ऑफ स्वामीराज' ने लगभग 700 करोड़ रुपये की अनुमानित प्रोजेक्ट कीमत के साथ एक प्रीमियम रेसिडेंशियल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट लॉन्च करने की योजना बनाई है। ठाणे वेस्ट में पोखरण रोड 1 पर लॉन्च होने वाला यह प्रोजेक्ट कंपनी के रेसिडेंशियल पोर्टफोलियो में एक महत्वपूर्ण विस्तार है। यह प्रोजेक्ट बदलते शहरी लाइफस्टाइल को प्रदर्शित करने वाले मॉडर्न घरों को बनाने पर कंपनी के फोकस को दिखाता है। इस डेवलपमेंट का ऑफिशियल प्रोजेक्ट नाम अभी तय नहीं हुआ है।

इस प्रोजेक्ट को पूरी तरह से हाउस ऑफ स्वामीराज द्वारा निर्मित किया जा रहा है। एक कॉम्प्रिहेंसिव रेसिडेंशियल इकोसिस्टम के तौर पर बनाए गए, इस प्रोजेक्ट में इंटेलिजेंट प्लानिंग, टेक्नोलॉजी-बेस्ड लिविंग सॉल्यूशन और कम्युनिटी स्पेस पर खास ध्यान दिया गया है। यह प्रोजेक्ट 2 इल्ड्स, 3 इल्ड्स और जोड़ी अपार्टमेंट की सुविधा देगा। इससे परिवारों, कामकाजी प्रोफेशनल्स और लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टर्स जैसे बड़े खरीदार की जरूरतें पूरी हो सकेंगी। इन घरों को जगह, फंक्शनैलिटी और रोजाना के आराम को बेहतर बनाने के लिए प्लान किया गया है, ताकि मॉडर्न शहरी जीवन की प्रैक्टिकल जरूरतों को पूरा किया जा सके।

इस घोषणा पर टिप्पणी करते हुए हाउस ऑफ स्वामीराज के मैनेजिंग डायरेक्टर जेसन सैम्युल ने कहा, यह डेवलपमेंट दर्शाता है कि आज शहर में घर खरीदने वाले लोग रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट्स को कैसे देख रहे हैं। अब फैसले सिर्फ लोकेशन या कॉनफि गरेशन के आधार पर नहीं होते, बल्कि इस बात पर होते हैं कि घर कितनी समझदारी से बनाया गया है, टेक्नोलॉजी रोजमर्रा की ज़िंदगी को कितना बेहतर बनाती है, और खुली, हरी-भरी जगहों की सुविधा सेहत के लिए कितनी फायदेमंद है।

विरोहन ने माइनावी कॉरपोरेशन और ब्लूम वेंचर्स के नेतृत्व में 65 करोड़ रुपये की सीरीज-बी फंडिंग हासिल की

मुंबई/ नई दिल्ली। भारत में हेल्थकेयर शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान, विरोहन ने अपनी चल रही सीरीज-बी फंडिंग के तहत 65 करोड़ रुपये (7.5 मिलियन डॉलर) जुटाए हैं, जिसका नेतृत्व मायनावी कॉर्पोरेशन ने किया है। इस निवेश दौर में विरोहन के मौजूदा निवेशकों जैसे ब्लूम वेंचर्स, भारत इन्क्लूसिव टेक्नोलॉजीज सीड फंड और रीबाइट पार्टनर्स ने भी भाग लिया।

यह फंडिंग उत्पाद नवाचार, संचालन दक्षता में सुधार और रणनीतिक रूप से प्रतिभाशाली पेशेवरों की टीम के विस्तार के माध्यम से विरोहन को लाभप्रदता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने में मदद करेगी। विरोहन यूपीईएस (देहरादून), बीबीडी यूनिवर्सिटी (लखनऊ), सीएमआर यूनिवर्सिटी (बेंगलुरु), असम डॉन बॉस्को यूनिवर्सिटी (गुवाहाटी), एमआईटी यूनिवर्सिटी (शिलांग), जी.एच. रायसोनी यूनिवर्सिटी (नागपुर और पुणे), सिल्वर ओक यूनिवर्सिटी (अहमदाबाद) सहित कई प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर एलाइड हेल्थकेयर, नर्सिंग और हेल्थकेयर मैनेजमेंट में उच्च गुणवत्ता के स्नातक कार्यक्रम संचालित करने में सक्षम बनाता है। उद्योग स्तर पर, विरोहन लेंसकार्ट, मेदांता, हेल्थियंस, डॉ. लाल पैथलैब्स जैसी प्रमुख हेल्थकेयर कंपनियों के साथ मिलकर काम करता है, जिससे उसके छात्रों के लिए पढ़ाई से लेकर नौकरी तक का मजबूत रास्ता तैयार होता है। 2018 में स्थापना के बाद से, विरोहन के मॉडल ने उत्कृष्ट परिणाम दिए हैं- यह एक इंडस्ट्री पार्टनर के रूप में 20 से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ जुड़ा है, 13,000 से अधिक महत्वाकांक्षी हेल्थकेयर पेशेवरों को प्रशिक्षित कर चुका है, और 2,000 से अधिक हेल्थकेयर नियोक्ताओं के साथ सहयोग कर रहा है, ताकि इसके स्नातक पहले ही दिन से करियर के लिए पूरी तरह तैयार हों। इस घोषणा पर बोलते हुए, विरोहन के उएड कुणाल डुडेजा ने कहाः हेल्थकेयर सिस्टम कुशल पेशेवरों पर चलता है, फिर भी शिक्षा और रोजगार के बीच सही मार्ग न होने के कारण लाखों पद खाली रहते हैं। विरोहन में, हमारा मिशन उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए एक उद्योग भागीदार के रूप में इस अंतर को बड़े पैमाने पर पाटना है। मैनावी इंडिया के प्रबंध निदेशक हिदेकाज़ु इतो ने कहाः भारत और पूरी दुनिया में कुशल हेल्थकेयर पेशेवरों की मांग तेजी से बढ़ रही है, और विरोहन का मॉडल – जो तकनीक, उद्योग-संबंधित शिक्षा और मजबूत संस्थागत साझेदारियों को जोड़ता है – बड़े पैमाने पर हेल्थकेयर शिक्षा देने के तरीके को पूरी तरह से नया रूप देने की क्षमता रखता है।

मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है : भरत शुक्ला

अपने पैतृक गांव सदौव पुर में अपने माता-पिता के हाथों कंबल का किया वितरण

भदोही (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद भदोही, तहसील ज्ञानपुर, पोस्ट ग्राम सदौव पुर निवासी भरत भाई शुक्ला उपस्थित रह कर अपने माता-पिता को गंगा स्नान के साथ साथ बाबा विश्वनाथ का दर्शन करवाया । तत्पश्चात माता-पिता के कर कमलों द्वारा ठंडक को ध्यान में रखते हुए गरीब असहाय लोगों को ऊनी कंबल वितरित किया। भरत भाई शुक्ला का कर्मभूमि मुंबई स्थित सायन कोलीवाड़ा म्हाडा कॉलोनी से अपना कर्मस्थली में व्यवसाय शुरू किया। आज मुंबई में जाने माने हस्ती है। समाजसेवा के साथ साथ राजनीतिक में भी उनका वर्चस्व है। उन्होंने सायन कोळीवाडा स्थित मां विंध्यवासिनी मंदिर के ट्रस्टी भी है। भरत भाई शुक्ला एक ऐसे शख्स है कहा जाता है कि कुछ व्यक्तित्व सत्ता से नहीं, संघर्ष से बड़े होते हैं। कुछ व्यक्ति भाषण से नहीं प्रतिरोध से पहचाने जाते हैं। भरत शुक्ला ऐसा ही एक नाम सायन कोळीवाडा में व्यक्तित्व और प्रतिरोध से पहचाने जाते हैं ,वे कई संगठनों से जुड़े हुए हैं। उत्तर भारतीय समाज के सेवा लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पशुपालन विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पशुपालन विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद की गोशालाओं में व्यवस्थाओं, गोवंश संरक्षण, चारा प्रबंधन और विभागीय योजनाओं की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि गोवंशों के पोषण हेतु गोशालाओं में हरे चारे की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को जई एवं बरसीम की बुवाई कराने के निर्देश दिए गए, ताकि गोवंशों को पौष्टिक चारा नियमित रूप से उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि गोशालाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके अलावा जिलाधिकारी ने सभी गोशालाओं में लगे सीसीटीवी कैमरों को निरंतर क्रियाशील रखने, साफ-सफाई, पेयजल, चारा, दवाइयों और रख-रखाव की व्यवस्थाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने ठंड के दृष्टिगत गोवंशों को धूप दिखाने पर भी जोर दिया। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि शासन के निदेर्शानुसार 19 से 25 दिसंबर 2025 तक ह्लसुशासन सप्ताहह्व मनाया जाएगा। सभी विभागों को अपने-अपने दायित्वों के अनुरूप तैयारियां समय से पूरी करने और जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खड़िया, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव सहित पशुपालन विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंदिर से चोरी किए गए 5 घण्टे 4 हजार नगदी के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के सरसौड़ा गांव में दो महीने पहले हुई मंदिर से चोरी के मामले में पुलिस को कामयाबी मिल गयी। पुलिस ने चोर को घण्टे और नगद रुपए के साथ गिरफ्तार कर लिया। थाना क्षेत्र के सरसौड़ा गांव में दो महीने पहले मंदिर में 5 घण्टे और दानपेटी से नगद रुपए की चोरी हुई थी। जिसमे ग्राम प्रधान के तहरीर पर चोरी का केस दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी हुई थी। मुखबिर से सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के सरसौड़ा गांव के ब्रह्म बाबा मंदिर के पास उक्त चोर मौजूद है। दोपहर साढ़े 12 बजे थाने के एस एस आई मंशा राम गुप्ता फोर्स के साथ पहुचकर उक्त अभियुक्त राशिद निवासी मुर्की थाना केराकत को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त के पास 5 चोरी के घण्टे और 4 हजार नगद रुपए बरामद किया गया। थानाध्यक्ष प्रवीण यादव ने बताया कि अभियुक्त राशिद से पूछताछ करने पर उसने बताया कि सरसौड़ा गांव के मंदिर में 5 घण्टा और दानपेटी से चोरी की थी। उसका चालान कर न्यायालय भेज दिया गया।

चार पहिया वाहन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । साइकिल से घरेलू समान लेकर घर जाते समय चार पहिया वाहन की चपेट में आने कारण बुजुर्ग की हुई मौत, सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि सिकरारा थाना क्षेत्र के भरतपुर गांव निवासी रमाशंकर गुप्ता उम्र लगभग 60 वर्ष पुत्र विश्वनाथ गुप्ता शुक्रवार को लगभग 3:00 बजे के करीब सिकरारा चौराहे के पास से सब्जी खरीद कर साइकिल हांथ में पड़े हुए पैदल जा रहे थे इसी दौरान तेज गति से जा रहे चार पहिया वाहन ने टक्कर मार दिया। जिसके चलते वह गंभीर रूप से घायल हो गए जब तक उन्हें लोग अस्पताल पहुंचाते उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस संबंध में सिकरारा थानाध्यक्ष ने बताया कि अज्ञात वाहन से टकराने से मौत हुई है। शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्यवाही करते हुए वाहन समेत चालक की तलाश की जा रही है।

270 दिव्यांग बच्चों को उपकरण वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बीआरसी करंजाकला में समग्र शिक्षा अभियान के तहत एलिम्को कानपुर के सहयोग से डॉ.गोरखनाथ पटेल के निर्देशन में जिला समन्वयक समेकित शिक्षा शशिधर उपाध्याय, खण्ड शिक्षा अधिकारी श्रवण कुमार यादव, की देख रेख में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में करंजाकला के ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुनील कुमार यादव (मम्मन) और विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ.गोरखनाथ पटेल ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सभी दिव्यांग बच्चों को उपकरण वितरण किया गया। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने सभी सामग्री के विषय में जाना और दिव्यांग बच्चों के अभिभावक से बताया कि उपकरण का सही प्रयोग करें और सुरक्षित रखें जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि इन दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने के लिए हर विकास खण्डों में विशेष शिक्षक नियुक्त किए गए हैं यदि उपकरण का प्रयोग करने में अभिभावक को किसी प्रकार की समस्या हो तो विशेष शिक्षक से सम्पर्क करें जिला समन्वयक शशिधर उपाध्याय ने बताया कि यह उपकरण दिव्यांग बच्चों के शिक्षण प्रशिक्षण में सहायक होगा बच्चों की शिक्षा बाधित नहीं होगी दिव्यांग बच्चे भी सामान्य बच्चों की तरह विद्यालय में जाकर शिक्षा ग्रहण कर सकते सभी प्रकार के दिव्यांग बच्चों के उपकरण वितरण किया जा रहा है ' ट्राइसाइकिल, व्हील चेयर, बैसाखी छड़ी, एम आर कीट, हियरिंग एड, रोलेटर आदि उपकरण वितरीत किया गया मौके पर जिला फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. पी डी तिवारी, विशेष शिक्षक संतोष मिश्रा,ज्योति सिंह, दुष्यंत सिंह, किरन पाण्डेय, सुषमा, प्रमोद कुमार माली, रंगनाथ दुबे, आनन्द तिवारी, शक्ति सिंह, आनन्द यादव, सतीश मौर्या, शिवाकांत तिवारी, शैलेन्द्र यादव, संतोष पाण्डेय, श्रेया यादव, प्रभात, मिथिलेश, दिनेश, अभिषेक, आदि लोग उपस्थित रहे।

सीडीओ ने चौपाल में सुनी समस्याएं

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड धमार्पुर के कमरुद्दीनपुर गांव में शुक्रवार को ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में पहुंचे मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खड़िया ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने आवास, शौचालय, पेंशन, किसान सम्मान निधि और रास्ते आदि की समस्या सीडीओ को बताई। जिसपर सीडीओ ने बीडीओ, एडीओ पंचायत और सचिव को इन समस्याओं के संबंध में जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। इस अवसर पर बीडीओ कृष्णमोहन यादव, प्रभारी एडीओ पंचायत राजेश यादव, एडीओ आईएसबी राकेश रोशन, सचिव अरविंद सिंह, ग्राम प्रधान अगनु आदि उपस्थित रहे।

थाना पचपेड़वा पुलिस ने वारंटी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

बलरामपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद बलरामपुर के पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पचपेड़वा पुलिस को सफलता मिली है। अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय एवं क्षेत्राधिकारी तुलसीपुर डॉ. जितेन्द्र कुमार के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक ओम प्रकाश चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, दिनांक 18 दिसंबर 2025 को थाना पचपेड़वा पुलिस टीम ने मुकदमा संख्या 1579/25, धारा 379/411 भा.दं.वि. एवं 26 फॉरेस्ट एक्ट से संबंधित वारंटी अभियुक्त सोनू हरिजन पुत्र मिनके, निवासी बेलभरिया, थाना पचपेड़वा, जनपद बलरामपुर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्रवाई के उपरांत माननीय न्यायालय रवाना किया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक रमाकान्त एवं उप निरीक्षक जोखन प्रसाद शामिल रहे। पुलिस प्रशासन ने बताया कि अपराध नियंत्रण के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।